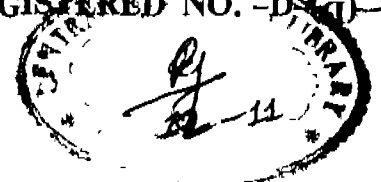


No. 38 Missing



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1980 (आश्विन 5, 1902)

No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1980 (ASVINA 5, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 12019/3/80-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कु० के० धनोपाध्याय, अनुसन्धान सहायक (बंगला) तथा श्री एस० एल० बराडपांडे, अनुसन्धान सहायक (मराठी) को 5-8-80 के तीन माम की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषाएं) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को नोट कर लेना चाहिए कि कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषाएं) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इसका उन्हें कनिष्ठ 1-256 GI/80

अनुसन्धान अधिकारी (भाषाएं) के ग्रेड में विलियन का अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

एस० बालचन्द्रन

उप सचिव

हुते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अगस्त 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) को, जो इस समय स्टैनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, राष्ट्रपति द्वारा उन्हें उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनन्तिम अस्थाई और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)

के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

प्रवर्तन निदेशालय

(विशेषी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 जुलाई 1980

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री जतिन्दर लाल	28-8-80 से 27-10-80 तक
2.	श्री टी० आर शर्मा	21-8-80 से 20-10-80 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा। उनके नामों के सामने निदिष्ट अवधि के लिये के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख में तदर्थ नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन से की गई है।

दिनांक 25 अगस्त 1980

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) को, राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थाई और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री जोगिन्दर सिंह	28-8-1980 से 27-10-1980 तक
2.	श्री आर० एल० ठाकुर	21-8-1980 से 20-10-1980 तक

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-11-1979, 11-1-80, 1-2-80 तथा 2-8-80 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के स्थाई ग्रेड I अधिकारी श्री बी० दाम गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3 जुलाई, 1980 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर के० सं० से० के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,

उप सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

सं० ए० 11/11/80—निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारी, अपने पद ग्रहण करने की तारीख से और अगले आदेशों तक प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये जाते हैं।

तेनाती के स्थान और पदभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

क्रम सं०	नाम	तेनाती का स्थान	पदभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री टी० सी० मंदीरता	दिल्ली क्षेत्र	5-5-80 पूर्वाह्न
2.	श्री एस० के० बरिक्	जयपुर	16-6-80 पूर्वाह्न
3.	श्री एस० एन० चटर्जी	जयपुर	16-6-80 पूर्वाह्न
4.	श्री पी० बी० ठाकुर	बम्बई	7-5-80 पूर्वाह्न
5.	श्री एस० के० चन्दोरकर	बम्बई	7-5-80 पूर्वाह्न
6.	श्री मोहिन्द्र सिंह	श्रीनगर	29-5-80 पूर्वाह्न
7.	श्री ए० के० शर्मा	दिल्ली क्षेत्र	3-5-80 अपराह्न

डी० सी० मण्डल,

उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतकर्ता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 10 आर० सी० टी० 2—निदेशक, केन्द्रीय सतकर्ता आयोग एतद् द्वारा श्री के० एल० अग्रुजा, स्थाई सहायक को 30 अगस्त, 1980 से 27 नवम्बर, 1980 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग में अनुमान अधिकारी स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा

अवर सचिव

कृते निदेशक

केन्द्रीय सतकर्ता आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० गु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० पी० एफ०/एस०-98/65-प्रशा०-5—श्री एस० सेन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना

की सेवाएं दिनांक 31 मई, 1980 के अपराह्न से प्रति-नियुक्ति पर सिक्कीम सरकार को सौंपी जाती हैं।

की० ला० घोषर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय  
नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 सितम्बर 1980  
शुद्धिपत्र

सं० 11/1/80-प्रशा०-1—इस कार्यालय की तारीख 6 अगस्त, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना में 'श्री जे० के० बालकृष्णन नम्बियार' के नाम के स्थान पर 'श्री टी० के० बालकृष्णन् नम्बियार' पढ़ा जाए।

कृष्ण चन्द्र सेठ,  
उप निदेशक

#### रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा  
आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं० 20/80/प/ई-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री सुनिल कुमार सेन गुप्ता, मौलिक एवं स्थाई सहायक/स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 31-8-80 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन  
कृष्ण महानिदेशक,  
आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० 53/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न अपर-महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां सदस्य के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री जी० आर० नरसिम्हन् दिनांक 10 जुलाई 1980  
स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलेक्शन  
ग्रेड) स्तर-1
- (2) श्री जी० डी० भल्ला, स्थानापन्न  
महाप्रबन्धक (सैलेक्शन ग्रेड)  
स्तर-1 दिनांक 22 जुलाई, 1980

सं० 54/जी०/80—राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न बरिष्ठ डी ए डी जी ओ० एफ०

प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री एम० सिगराम, स्थाई उप-  
प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980
- (2) श्री जी० खैग, स्थाई उप-प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980
- (3) श्री ए० के० बनर्जी, स्थाई डी  
ए डी जी 1लीं अप्रैल, 1980
- (4) श्री डी० ए० श्रीनिवासन, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980
- (5) श्री आर० एम० यादव, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980
- (6) श्री एस० बी० शनमुगराज  
स्थायी उप-प्रबन्धक 28 अप्रैल, 1980
- (7) श्री ए० के० माथुर, स्थाई उप-  
प्रबन्धक 29 अप्रैल, 1980
- (8) श्री जे० आर० कालिया, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980
- (9) श्री टी० आर० मोहनराव, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 15 मई, 1980
- (10) श्री बी० कुमार स्वामी, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 15 मई, 1980
- (11) श्री के० बी० सी० नायर, स्थाई  
उप-प्रबन्धक 16 जून, 1980
- (12) श्री एस० बी० दत्ता, स्थाई डी  
ए डी जी० 16 जून, 1980
- (13) श्री ए० सन्याल, स्थाई उप-  
प्रबन्धक 16 जून, 1980
- (14) श्री जोगिन्दर सिंह, स्थाई उप-  
प्रबन्धक 16 जून, 1980
- (15) श्री के० राव चौधुरी, स्थाई उप-  
प्रबन्धक 1लीं अप्रैल, 1980

सं० 55/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न टी० एस० ओ०/सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री एन० के० नियोगी, स्थाई  
फोरमैन 2 रीं मई, 1980
- (2) श्री अलोक कुमार घोष, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 6 मई, 1980
- (3) श्री डी० के० मित्रा, स्थाई फोर-  
मैन 1लीं मई, 1980
- (4) श्री एन० बसु, स्थाई फोरमैन 1लीं मई, 1980

- (5) श्री के० एस० विश्वनाथन्,  
स्थानापन्न फोरमैन 2 री मई, 1980
- (6) श्री आर० बी० वैद्येश्वरन्,  
स्थानापन्न फोरमैन 1ली मई, 1980
- (7) श्री के० जे० गौडके, स्थानापन्न  
फोरमैन 1ली मई, 1980
- (8) श्री एम० के० भासकरन्, स्थाना-  
पन्न फोरमैन 2री मई, 1980

दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० 57/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित  
अफसरों टी० एस० ओ० सहायक प्रबन्धक के पद पर,  
प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, पुष्टि करते हैं।  
श्रीमती शशी चतुर्वेदी, स्थानापन्न उप-

प्रबन्धक 9 मई, 1977

श्री जे० पी० शुक्ला, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक  
(अवकाश प्राप्त) 1ली जनवरी, 1976  
बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक  
आइन्टैन्स फैक्टरियां

भारत सरकार टकसाल

कलकत्ता-88, दिनांक सितम्बर 1980

विज्ञप्ति

मेमो सं०पी/526/6202 दिनांक 2-6-1978—सेवा  
नियुक्ति पत्र सं० 1313-3(एस०एस०ओ०)/2858 दिनांक  
23-2-77 में दी गई शर्तों के अनुसरण में मैं, श्री जी० आर०  
कहाते, टकसाल अधिकर्ता, एतत् द्वारा श्री हरिदयाल भौमिक (एस०  
एस०ओ०) को यह सूचित करता हूँ कि इस सूचना के राजपत्र  
में प्रकाशन के पश्चात् एक महीने की अवधि समाप्त होने पर  
ही उनकी सेवा समाप्त होगी। इस प्रकाशन के द्वारा श्री  
भौमिक के ऊपर सेवा-समाप्ति की सूचना जारी की गयी समझी  
जाएगी।

स्वा० श्री जी०आर कहाते  
टकसाल अधिकर्ता  
भारत सरकार टकसाल

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/594/60-प्रशासन/(राज)/5359—सेवा निवृत्ति  
की आयु होने पर, श्री जे० ई० श्रेष्ठ ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक,

आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 31-7-1980 के  
दोपहर बाद से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार  
छोड़ दिया।

सं० 6/1206/77 प्रशासन(राज)/5362—सेवा निवृत्ति  
की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग  
अधिकारी वर्ग के अधिकारी, श्री आर० एल० बास्ती ने 31-7-80  
के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात  
के पद कार्य का भार छोड़ दिया।

पी० सी० भटनागर

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
हूते मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1980

सं० ए० 12025(1)/1/80-व्यवस्था-II(क)—राष्ट्र-  
पति, श्री श्रीम प्रकाश को 22 मई, 1980 के पूर्वाह्न से  
आगामी आदेशों तक के लिये भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी  
संस्थान, वाराणसी में वस्त्र प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ अध्यापक  
के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12025(1)/3/80-व्यवस्था-II(क)—राष्ट्र-  
पति, श्री विश्वनाथन राजेन्द्रन को 23 जून, 1980 के  
पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र  
कांचीपुरम में सहायक निदेशक ग्रेड I (डिजायन) के पद  
पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ए० 32014/1/80 व्यवस्था -II(क)—हथकरघा  
विकास आयुक्त बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई अधीक्षक श्री  
पी० नारायणन को एतद्द्वारा 20 अगस्त 1980 से आगामी  
आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई में स्थानापन्न  
रूप से सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद  
पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/80-व्यवस्था-II(क)—हथकरघा  
विकास आयुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई अधीक्षक श्री  
एस० के० मित्रा को एतद्द्वारा 20 अगस्त, 1980 से आगामी  
आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में स्थाना-  
पन्न रूप से सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के  
पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/80-व्यवस्था II(क)—हथकरघा  
विकास आयुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र में स्थाई अधीक्षक श्री  
आर० आर० रेड्डी को एतद्द्वारा 20 अगस्त, 1980 से आगामी  
आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास में स्थानापन्न



रूप में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० पी० शेषाद्री,  
संयुक्त विकास आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० प्र०-6 (247)(226)/76—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) और निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु रसायन शाखा ग्रुप ए० के ग्रेड II) श्री एच० अनन्धपद्मनाभूलू निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31 जुलाई, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० प्र०-1/1(1144)/79—निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री पाल जेधियर निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 जुलाई, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कृष्ण किशोर,

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान,

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० 3/124/60-एस० दो (खण्ड दो) —महा निदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० आर० सरकार, लेखाकार, आकाशवाणी, अमरतला को 6-8-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, अमरतला के पद पर, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० 3/22/62-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी० के० शर्मा, लेखाकार, आकाशवाणी, जलन्धर को 22-8-80 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, जलन्धर के पद पर, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० शेषाद्री

प्रशासन उपनिदेशक

कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० 10/37/79-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० वेंकटेश्वर रेड्डी को दिनांक 23-7-80 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में अस्थायी आधार पर सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच० एन० विश्वास,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/21/80 (एच० क्यू०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के वरिष्ठ वास्तु-सहायक श्री पी० एन० चैल को 21 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में सहायक वास्तुविद के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 17-17/74-प्रशासन-1(भाग-2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० आर० मेहता, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन प्रदर्शन केन्द्र) केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली का सरकारी सेवा से इस्तीफा 8 अगस्त, 1980 अपराह्न से मंजूर कर लिया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० ए०-19011/2/80-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने श्री प्रेम चन्द्र को 16 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, बम्बई में फैक्ट्री प्रबन्धक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल,  
उप निदेशक प्रशासन (भण्डार)

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र  
(कार्मिक भाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 अगस्त 1980

सं० के०/586/स्या०-II/4178—सिविल अभियांत्रिकी प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग को स्थानान्तरित होने पर, स्थायी कार्मिक अधिकारी श्री एस० के० कपूर, इस अनुसन्धान केन्द्र से दिनांक 4 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न को अपने पदभार से मुक्त हो गये हैं।

दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० 5/1/80-स्था०-II/4236--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नम्बर के सामने अंकित समयवधि के लिये स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II/ सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयवधि	
			से	तक
1	श्री जे० आर० कर्णिक, सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासन अधिकारी-II	1-5-80 (पूर्वाह्न)	7-6-80 (अपराह्न)
2	श्री एस० के० कपूर, सहायक कार्मिक सहायक	प्रशासन अधिकारी-II	17-4-80	12-5-80
3	श्री के० एस० खन्ना, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	1-5-80	7-6-80
4	श्री जे० बी० नायक, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	17-4-80	13-6-80
5	श्री पी० बी० करन्दीकर, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	14-4-80	23-5-80
6	श्री एम० एन० लोटखीकर, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	28-4-80	7-6-80
7	श्री एल० बी० गावडे, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	4-6-80	11-7-80
8	श्री पी० बी० देसपण्डे, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	1-5-80	31-7-80
9	श्री एस० आर० पिरो, सलैक्शन ग्रेड लिपिक	सहायक कार्मिक अधिकारी	9-6-80	11-7-80

कु० एच० बी० विजयकर,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

दिनांक 3 सितम्बर 1980

क्रम और भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 27 अगस्त 1980

सं० डी० पी० एस० ए० 11013/45/76-स्थापना-14998—श्री रुबन फिलिप डिमूजा, स्थाई सहायक और स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को, उनका तबादला विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, मुम्बई से होने पर, क्रय और भण्डार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग में 18 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले अक्षेप तक के लिये उसी हेतियत में नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोसफ,  
प्रशासन अधिकारी

सं० प ख प्र-8/1/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोम नाथ सचदेव को उसी प्रभाग में श्री आर० सुब्रह्मण्यन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 16-8-1980 से 20-9-80 तक की अवधि के लिये पूर्णतया अस्थाई तौर पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-8/7/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखाकार श्री के० इकाम्बरम को उसी प्रभाग में श्री डी० एस० इसरानी, जिन्हें ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था, के स्थान पर 7-7-80 से लेकर 11-8-1980 तक की अवधि के लिये पूर्णतया अस्थाई तौर पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

डाकघर टी० ए० पी० पी०, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री के० गोपाल, लेखा अधिकारी-II, जिन्हें तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-III के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर श्री जे० पी० स्पण्डेलखल, इस बिजली घर में अस्थाई सहायक लेखा अधिकारी को दिनांक 7 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से 8 जुलाई, 1980 तक के लिये र० 840-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनक्रम में, इसी बिजलीघर में, तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

## तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे, 30 अगस्त 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(1)/76-आर०—गजट अधि-सूचना दिनांक 18 अप्रैल, 1980 का अधिक्रमण करते हुए मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जे० पी० खण्डेलवाल, इस बिजलीघर में अस्थाई सहायक लेखा अधिकारी को दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 29 मई, 1980 (पूर्वाह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(1)/76-आर०—गजट अधि-सूचना दिनांक 18 अप्रैल, 1980 का अधिक्रमण करते हुए मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री य० रा० वेलणकर, इस बिजलीघर में अस्थाई सहायक लेखापाल को दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 29 मई, 1980 (पूर्वाह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जे० पी० खण्डेलवाल, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी-II के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर श्री दशरंजित रामचन्द्र वेलणकर, इस बिजलीघर में अस्थाई सहायक लेखापाल को दिनांक 7 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से 8 जुलाई, 1980 तक के लिये रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में, इसी बिजलीघर में, तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

द० बि० मरकले,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/7/80-ई०-1.—राष्ट्रपति, ने नागर विमानन विभाग के श्री जगदीश चंद्र, क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र दिल्ली को क्षेत्रीय निदेशक बम्बई के पद पर दिनांक 16-8-80 से 6 माह की अवधि के लिये या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सी० के० बत्स,  
सहायक निदेशक प्रशासन

## नारकोटिक्स विभाग

ग्वाल्थर, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 1.—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा जिला अफीम अधिकारी/अधीक्षक (कार्यपालक) समूह "ख" के ग्रेड में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रत्येक के

नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक नाम एवं पदनाम	जिस तारीख से नियुक्त किये गये
-----------------------	-------------------------------

## सर्वश्री

- |   |         |
|---|---------|
| 1. राजेन्द्र पाल,<br>अधीक्षक (कार्यपालक),<br>उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय<br>लखनऊ। | 30-6-80 |
| 2. एस० बी० सिंह,<br>जिला अफीम अधिकारी<br>रतलाम।                                     | 28-6-80 |
| 3. एस आर० तंवर,<br>जिला अफीम अधिकारी,<br>झालावाड़।                                  | 18-8-80 |
| 4. डी० आर० पीपल<br>अधीक्षक (कार्यपालक)<br>उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय<br>नीमच।    | 16-6-88 |

मदन मोहन मदनगर,  
नारकोटिक्स आयुक्त,

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

## कम्पनी विधि बोर्ड

## कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और दयालबाग कान्स्ट्रक्शन  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वी में) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं० 8888/1132-एल० सी०, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दयालबाग कान्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लि० (लिक्वी में) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बरेली बैंक लिमिटेड  
के विषय में।

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1980

सं० 8900/51/एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवधान पर बरेली बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उन्नाव कामर्शियल बैंक लि०  
के विषय में।

कानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० 9084/139-एल० सी०—अधिनियम 1956 की  
उपधारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा  
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के  
अवसान पर उन्नाव कामर्शियल बैंक लि० का नाम इसके  
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट  
दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दयालबाग प्राविजन स्टोर्स  
प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वी० में) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० 9104/1125-एस० सी०—कम्पनी अधिनियम  
1956 की उपधारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण  
में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दयालबाग प्राविजन  
स्टोर्स प्राइवेट लि० (लिक्वी० में) का नाम आज रजिस्टर  
से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी  
गई है।

ओ० पी० चड्ढा,  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनी,  
यू० पी० कानपुर

शिलांग, दिनांक 1 सितम्बर, 1980

सं० जी पी०/1648/560(5)—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण  
में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैमर्स नार्थ ईस्ट मीरर पब्लि-  
केशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया  
गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० के० मट्टाचार्य,  
कम्पनी का रजिस्ट्रार  
यू० पी०, कानपुर

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० 99/78/तकनीकी—आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 226 और 229 की उपधारा  
(5) के अनुसरण में तथा इस सम्बन्ध में मुझे प्राप्त अन्य  
सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं आयकर आयुक्त  
लखनऊ, अपने अधीनस्थ निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
(निर्धारण) को उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत  
निर्धारित से सन्देह कर व्याज, जुर्माना, शास्ति वसूलने  
अथवा उसके द्वारा सन्देह अन्य किसी राशि की वसूली उक्त  
आयकर अधिनियम 1961 के तृतीय अनुसूची में वर्णित  
तरीकों से उसकी चलसम्पत्ति की कुर्की और बिक्री द्वारा  
करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

धरनी धर,  
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० नोटीस सं० 291/80-81—अतः मुझे आर०  
थोथानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 101,59,69 और 68 है, तथा  
जो मेलहुलवधी गांव, जागरा होबली, चिक्कमगलूर तालुक में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्क-  
मगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
गणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य धातियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
2—256 GI/80

(1) एन० कृष्णास्वामी (2) श्री एन० मंजुनाथ (3)  
श्रीमती के०एन० सीथालक्ष्मी कांफी प्लांट्स रत्नागिरी  
रोड, चिक्कमगलूर टाऊन के रहवासी हैं। (अन्तरक)

(2) श्री रोनाल्ड रोजेरियो डि'सौजा, मि० एफ० जे०  
डि'सौजा के पुत्र कांफी प्लांट्स अंजेलोर एस्टेट,  
व्यारावल्ली और बागमाने गांव अवाप्पी होबली  
चिक्कमगलूर तालुक के रहवासी हैं।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सावधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1565/79-80 ना० 26-12-1979)

कापी एस्टेट जिसका नाम है "विजय और चंद्रगिरी एस्टेट"  
जिसका सर्वे सं० 101, 59, 69 और 68, मेजरिंग 59 एकरें  
और 16 गुंठे, तथा जो, मेलहुलवधी गांव, जागरा होबली,  
चिक्कमगलूर तालुक में स्थित है।

आर० थोथानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश नं० एम०-189/अर्जन क्षेत्र—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1 है तथा जो गहानगर एक्सटेशन लखनऊ  
में स्थित है (और इसमें उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ  
में रजिस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 17-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से दक्ष अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के शायदस्य संकल्प  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या संपत्ति अथवा धन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री किशोरी लाल वत्स (अन्तरक)
- (2) श्रीमती डा० शिव प्रभा बैसवार (अन्तरिती)
- (3) विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति  
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करावा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-1 लीज होल्ड पैमाइशी 12805 वर्गफुट  
(नौ बिस्वा आठ बिस्वान्सी तीन कचवान्सी) स्थित महानगर  
इक्स्टेशन थाना महानगर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति  
जो सेलडीड व फार्म 37 संख्या 7429 में वर्णित है जिनका  
पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक  
17-12-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 12-5-1980  
मोहर :

प्रकट धार्मिक टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं एच०-34/अर्जन—अतः, मुझे अमरसिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 35/55 पुराना (एम० 20/54) नया है तथा जो स्थित दि माल वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के पञ्चसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) महारानी सुरिस्ती टैगोर, टुस्टी टैगोर राज बनारस डिबेटर इस्टेट

(अन्तरक)

(1) मै० होटल कल्कास वाराणसी प्रा० लि०, वाराणसी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पञ्चोद्घातकारी के पास भिन्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कल्कास होटल नामक भवन जो प्लॉट नं० स्थित मोजा बड़ा गौव II परगना देहात अमानन थाना वाराणसी कैंट म्यूनिसिपल नं० पुराना 35/55 (नया) 20/59 माल रोड वाराणसी व वह सारी संपत्ति जो सेलडोड तथा फार्म 37-जी सं० 12285 में वर्णित है जिनका पंजीकरण 26-12-1979 को मुख्य उपनिबन्धक वाराणसी के कार्यालय में हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 7-7-80

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश नं० टी-21/अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अर्जन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या आरजी नं० 75/3,75/4 है तथा जो मौजा कीदोपुर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामनगर वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच के अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्ति अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्रीमती सुरजीत कौर, सुरेन्द्र कौर (अन्तरक)
- (2) 1. श्री ठाकुर 2. प्रसाद मुक्तीनाथ, 3. उमाशंकरप्रसाद, 4. निर्मल कुमार, 5. शेषनाथ, 6. अरुण कुमार स्लामिख (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तापत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आरजी नम्बर 75/4 रकबा 6½ (साढ़े छः) डि० व 75/3 रकबा 67 डि० योग दो गाट्टा कल रकबा 73½ डि० जिसकी माल गुजारी पुराना 3/- रुपया 33 पैसा है और नयी माल गुजारी 20/- प्रति एकड़ है जो कि मौजा कोदोपुर परगना रामनगर जिला वाराणसी में स्थित है तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 879 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामनगर वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 22-2-1980 को हो चुका है।

अमरसिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7-7-1980  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री मनीराम पाण्ड्या द्वारा बसन्त राम मागर (मुख्तार)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विन्देश्वरी देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० बी-90/अर्जन--अतः मुझे, अमरसिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान 12 पुराना (16 नया) है तथा जो मोहल्ला त्रिपोलिया इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

## अनुसूची

मकान नम्बरी 12 पुराना (नया-16) वाले मोहल्ला त्रिपोलिया शहर इलाहाबाद रकबा 282.59 वर्गमीटर व वही सारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5338 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-12-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

दिनांक: 7-7-1980

मोहर:

प्रकरण आई० पी० एन० एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 अगस्त, 1980

निर्देश सं० एल-31/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या जे-13/93 का भाग है तथा जो मो०  
चौकाघाट वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-12-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और इस पर विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
जब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व को लक्ष्य करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) इसा निर्मा या किसी अन्य या प्रत्येक शक्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या कि गलत या ए.आ. विधानों में  
सुविधा के लिए.

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

- (1) मेसर्स जगत जीत काटन टेक्स्टाइल मिल्स लि०  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती ललितादेवी व डा० कृपाशंकर  
(अन्तरिकी)
- (3) विक्रेता (यह व्यक्ति, जिसके  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना दी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
होने वाला अर्जन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्यातव्य—इसमें उक्त शर्तों और परों का, या उक्त  
अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित  
है जो भी होगा जो उस प्रश्न में बिना  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान मय भूमि नं० जे-13/93 स्थित मो०  
चौकाघाट वाराणसी शहर का भाग तथा वह सारी सम्पत्ति  
जो फार्म 37-जी नं० 11474 तथा सेलडीड में वर्णित है  
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में  
दिनांक 6-12-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 26-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री राजकुमार मेहरा, दीपक मेहरा, दिनेश मेहरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1980

2. श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, निर्मल कुमार अग्रवाल,  
विजय कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

निर्देश सं० आई०-12/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमिघरे है तथा जो मौजा मझौला, मुगदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुगदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्तिव में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति-यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता धेर पुख्ता बमदर दरवाजा पूरब कच्छा मय आराजी नादादी 2129 18 वर्गमीटर बाके मौजा मझौला परगना ब जिला मुगदाबाद तथा वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37-जी मज्या 5/1 न० 80 ब सेक्टोड में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुगदाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-12-1979 को किया जा चुका है ।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 1-9-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1980

निर्देश सं० गि० आ० नं० 961 ए०सी० 23/19-7/  
80-81—प्रत. मुखे, ए० नं० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मिटी ए० नं० वार्ड नं० 7, नोड नं० 117  
व 118 है तथा जो सूरत रेलवे स्टेशन के सामने, सूरत  
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 27-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
व्यक्तित्व के लिये अनुरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्यूनतम प्रतिकार, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अनुसूची लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने का उद्देश्य करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्, भा०तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा पत्र नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

1. (1) मनमुखलाल चूनीलाल;  
(2) शशिकान्त मनमुखलाल;  
(3) मनहरलाल मनमुखलाल;  
(4) हंसमुखलाल मनमुखलाल;  
(5) राजेन्द्रा मनमुखलाल;  
(6) दिनेशचन्द्रा मनमुखलाल;  
अम्बाजी रोड, चंचवा शेरी, सूरत।  
(7) प्राणजीवनदास नानाभाई;  
(8) पुष्पकान्त नानाभाई;  
(9) हंसमुख नानाभाई;  
(10) सुरेशचन्द्रा नानाभाई;  
(11) रमेशचन्द्रा नानाभाई;  
परमिवाड, रानी तालाब, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री रतिलाल नरोत्तमदास, ए० नं० 4/4175,  
बेगमपुरा, ब्राह्मण शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका नोड नं० 117 व 118 पर सूरत रेलवे स्टेशन  
के सामने वार्ड नं० 7, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में तारीख 27-12-79 पत्र नं० 5175 और  
5207 रजिस्ट्री की गई है।

ए० नं० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 960 एक्वी० 23/II/

80-81— अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 6, गांव कापडारा तह० धोरयासी है तथा जो कापडारा, ता० सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3-256GI/80

1. अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रमेश हरेन्द्र-लाल अषोट, डायरेक्टर श्री तुषार हरेन्द्र लाल अषोट, मरद ई बराचा रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० एस के सिंथैटिक टैक्सटाइल मिल्स, पुना हनुमान गली, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कापडारा गांव में सूरत जिला में स्थित है। जिसकी सं० आर० एस० नं० 6 है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 13-12-79 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० आर० नं० 1098 एनवी० 23/I/  
80-81—अतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पारामा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

आरजिसकी सं० एस० नं० 268 है तथा जो घाटलोडिया, जिला  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिचारी के कार्या-  
लय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से रुझान नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के घन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐना किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाये  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के घन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री गंडालाल माधवलाल पटेल और दूसरे, 38,  
चैतन्य सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. वासोय पार्क कोओप० हाउसिंग सोसायटी, अवैतनिक  
सचिव श्री एस० सी० नायक, एल-5, बी-20, शास्त्रीनगर  
कालोनी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के घन्तेन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसका  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 268 जिसका माप 131.89 वर्ग  
गज में घाटलोडिया, अहमदाबाद जिला में स्थित है। जो  
अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में धित्री खत नं० 13348/  
दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत  
संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-7-1980

मोहुर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० आर० नं० 1099 एक्वि०-23-I/80-

81-अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स्ट्रीट नं० 26, चार्ट नं० 228, गली नं० 3 चार्ट नं० 1, है तथा जो फुलवाडी रोड़, जेतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगन्नाथ तानजिभाई चौटानवार, बाबाबारी मोती बाजार, गोनडल राजकोड, (अन्तरक)

(2) 1. Shri Mathuradas Ramajibhai;  
2. Shrimati Kusumgaori Mathuradas;  
3. Shri Jatimflumar Mathuradas;  
Haherama Harekrishna Printing Works;  
Fulwadi, Jetpur.

3. श्री हरशाद कुमार हरिलाल द्वारकादीश टेसटायल प्रिन्टिंग, फुलवाडी जेटपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पात्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहूस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उद्धृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर जिसका माप 1979-4-0 वर्ग गज पर सिटी सर्वे नं० स्ट्रीट नं० 26, चार्ट नं० 228, प्लॉट नं० 35, चार्ट नं० 1, फुलवाडी जेतपुर में स्थित है जो जेतपुर रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 1628 तारीख 17-12-79 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 24-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० आर० नं० 1100/एकिव०/23-I/80-81— अतः मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० एस० टि० बस स्टैंड के पास मकान, जमीन और कुआं साथ है तथा जो एस० टि० बस स्टैंड-गाथाडा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रमनिकलाल गुलाबचन्द और कं० के द्वारा 1. रमनिकलाल गुलाबचन्द, 2. कुशलचन्द गुलाबचन्द शाह, 3. चन्दन गोरी शान्तीलाल देलीवाला, (4) दलसुखभाई अम्भाशकर रावल, 5. कलावती जयन्तीलाल देलीवाला, 6. नावल, चन्द सोमचन्द शाह, 7. शाह अमीचन्द मानेकचन्द, गाथाडा-ता० बोटोड जिला भावनगर। (अन्तरक)

2. सौराष्ट्रा गांधीजी ग्रामोधार ट्रस्ट, रेलवे स्टेशन सामने गाथाडा तालुका रोड, जिला भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असूसची

एक मकान जो जमीन पर जिसका माप 5808 वर्ग गज में एस० टी० बस स्टैंड के पास गाथाडा में स्थित है। जो बिक्री खत नं० 893 ता० 26-12-1979 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-7-1980

मोहरः



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं० पि० आर० नं० 1101, एवि० नं० 23/I/80-81—अतः मुझे, एस० एन० मंडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 25-65-1-कालपुर वार्ड-III-बि० है तथा जो बन्दावन सोपिंग सेंटर में पानकोर नाका अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) प्रभावतीबेन चिनु भाई  
(2) राजीव चिनुभाई, दोनों शाहीबाग में, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2 श्री रसिकलाल परबोत्तमदास, परबोत्तम चम्बरस रतनपोल, हाथीखाना, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोप नं० 22 जो नीचे मंजिला पर, बन्दावन सोपिंग सेंटर पानकोर नाका, अहमदाबाद में सि० एस० नं० 25-65-1-बि०-268.66 वर्ग गज में स्थित है जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 3164-65/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 29-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई, 1980

सं० पी आर० नं० 1102/एक्वी 23/1/80-81:—अतः

मुझे एस० एन० माडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565 कानपुर वार्ड-111, है। तथा जो ब्रन्दावन बोपिंग सेनटर नं० 2565-1 पानकोर नाका अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जसुबाबेन रमेशचन्द्रा 12, कलाबिहार सोसायटी, कानपुर 1, लाल बंगला सामने। अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल मनेकलाल 1, हाजपडेलस पोल-1 अमतागुजारस खड़की 2, कालुपुर अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पोष नं० 19 जो नीचे के मजला, वृन्दावन बोपिंग सेन्दर, पानकोर नाका, अहमदाबाद में सि एस नं० 2565-1 एस० सेनसस नं० 2565-1 बिमें में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 12889 12-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माडल,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-7-1980

मोहर

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1103/एक्वी 23/1/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565-I पैकी, कालुपुर है। तथा जो वृन्दावन वापीग रानदर, बे वार्ड नं० 3 में 56, वानकोर साको, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शालकुमार मनेकलाल शाह, दिव्या जापोड 1, सोसनिफ सोसदी के पास। सेविथेर्स लेडीस कालेज लैन पासे। अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रा भाई कानतिलाल शाह। एम 811, सुजाता फ्लाट 1, पार्श्वभाग 1, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

षप नं० ई० 2 न पु नं० 56 जो वृन्दावन घोपीण सेन्दर में कानपुर वार्ड 3 बि० सी० एस नं० 2565-1 बि० पैकी पर वानकोर नाका अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 12464 /12-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एम० माडल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 29-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1104 एक्वी 23/I/80-81:—

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० सि० एस० नं० 2565-1 बी पैकी है तथा जो वृन्दावन शापिंग सेन्टर, कालुपुर वार्ड नं० 3, पानकोर नाका 1, दुकान नं० 28/1, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 (1) प्रभावतीबेन चिन्नुभाईबोनो (2) राजीव चिन्नुभाई बोनो शाहीबाग 1, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2 श्री महेश चेलाराम मोहनयानी 7/बी, डिलक्स ऐपार्टमेन्ट, पुराना शारदा, मन्दिर 1, एलिस ब्रिज अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 28/1 जो वृन्दावन शापिंग सेन्टर में कानपुर वार्ड 3 बी० सी० एस० नं० 2565-1-बी० पैकी पानकोरनाका अहमदाबाद में स्थित है? जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 3142 दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है, अर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 29-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1105 एक्वी 23/I/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 2832 नगरपालीका लिमिटेड में  
है। तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-12-1979,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

4-256GI/80

(1) श्री हरिचन्द्रा सोमनाथ कारीया। माधवनगर 1,  
छबीलाहनुमान के पीछे सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री चतुरभाई त्रिभुवनदास वरियाणी माधव  
नगर 1, छबीला हनुमान के पीछे, सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जहां भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 327.7 वर्ग गज  
में सरखे नं० 2832 माप पर सुरेन्द्र नगर में स्थित है।  
जो यजवान रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 2962  
/6-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत संपूर्ण  
वर्णित है।

एस० एन० मण्डल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पि० आर० नं० 1106, एक्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस को सं० एफ० पी० नं० 142 बी, दि० पी० एस० नं० 3 प्लॉट है तथा जो "चित्रा अमी" फ्लैट रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सामने आयतराय रोड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19०8 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रभुदास जगजीवनदास जाडिया,  
सामिनारायण मन्दिर रोड़,  
देवशाह पाडा के सामने, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्राकान्त त्रिभुवनदास हिन्दोचा। "चित्रा अमी" फ्लैट्स प्लॉट नं० 44, चौथा मंजला।  
रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सामने, आश्रम रोड़,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 44 जो चौथा मंजला में "चित्रण फ्लैट्स" में रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सामने, आयतराय रोड़, अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 7618 दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलता सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1107 एक्वी-23/I/80-81--

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० एस० नं० 225-5-कालुपुर, वार्ड नं० 2, है तथा जो धनुसुधारसपोल, चोकाबालास पोल् के सामने, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 79 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कमलाक्षन I, मनुभाई शाह, धनासुधारस पोल्, चोकाबालियापोल् के सामने, कालुपुर, अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) महेंद्र कुमार पुनम चन्द गाँधी, धनसुधार पोल् । चोकाबालियापोल् के सामने, कालुपुर, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 52 वर्गगज में सरवे नं० 225-5-पर धनुषपोल् में चोकाबालियापोल् के सामने, कालुपुर, अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नठ० 9442/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है । मिलकत संपूर्ण वर्णित है ।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1108 एक्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की सं० सी० डी० एस० नं० 3787 (अखा) नं०  
3792 (भाग) प्लॉट नं० 33 (अखा) नं० 34 (भाग)  
एस० नं० 16 है तथा जो षाजीपुर बोगा तालुका  
कुबेरनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 28-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मेतिभाई सेठ भगवानदास टपनदास  
अवतानी का विधवा, सोराबजी कांपोण्ड,  
जुना वाड्ज, अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

(2) श्री जहांगीरम लीलाराम रामानी, टरमिनस बस  
रूट नं० 129 के सामने, बंगला विस्तार,  
कुबेरनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मकान जो जमीन पर जिसका माप 1253 वर्ग मीटर सी० डी०  
एस० नं० 3787 (अखा) नं० 3792 (भाग) प्लॉट नं० 33  
(अखा) प्लॉट नं० 34 (भाग) एस० नं० 16 षाजीपुर, बोगा  
तालुका में कुबेरनगर में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के  
कार्यालय में बिक्री खत नं० 14084/28-12-79 में रजिस्ट्री की  
गई है अर्थात् मिलकीयत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

मोहर :



प्रकृप धारक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1109/एक्वी-23/I/80-81—  
अतः मुझे एस० एन० मांडल  
आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 323-2, गांव खेजलपुर, जी० अहमदाबाद है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शंकरजी जगाजी, सोलंकी,  
गांव खेजलपुर, डांकोरवास  
जिला : अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री मफतलाल ए० पटेल

प्रमुख : कामेश्वर पार्क

को० ओप० हा० सोसायटी लि०

3-54, नारनपुरा चार रस्ता, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3146 घोरस गज है जिसका सं० नं० 323-2, है जो गांव खेजलपुर जि० अहमदाबाद 51 में है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद के कार्यालय में ता० 28-12-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1110 एक्वी-23/1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी डी० पी० एस० 18 है तथा जो शहर कोठाडा, मेहधद होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपान्वत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सै० मधुरेश कार्पोरेश नके द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरत भाई पटेल, 111, सरकिबाई, सारंगपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री शाह मनसुखलाल मनिलाल, के द्वारा वंशरथलाल चिमन लाल, कापड बाजार, शाप नं० 7, मेहधुद होटल के पास, राहपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 7 जो वंशरथलाल चिमनलाल कापड बाजार, मेहधुद होटल के पास राहपुर दरवाजा के बाहर—डी० पी० एस० नं० 18 बी० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 132000/दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1111 एन्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी डी० पी० एस० 18 है। तथा जो गोर कोठडा-मेहवुद होटल के पास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० मधुरेश कार्पोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरथ भाई पटेल, 111, सकिवाडें, सारंगपुर अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री बंसीलाल शान्तिलाल, के द्वारा दशरथलाल चिमनलाल कापड बाजार शाप नं० 8, मेघदूत होटल के पास राईपुर गेट के बाहर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 8 जो टी० सी० सी० बाजार में मेहवुद होटल, राईपुर गेट अहमदाबाद टी० पी० एस० नं० 8 पैकी में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 14119/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1112-एक्वी-23/1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवदात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० एक० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शेर कोटाडा मेहुदुद होटल के पास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० मकुरेश कार्पोरेशन के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकिवाड, सारंगपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) गिराज और बालकों, प्रोप्राईटर गणेशमल मोदिराम, शाप नं० 5, दशरथलाल चिमनलाल, कापड बाजार मेघदूत होटल के पास राईपुर गेट के बाहर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 5 जो डी० सी० बाजार मेहुदुद होटल में, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18 एक० पी० नं० 8-पैकी में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 14118/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1113 एक्वी-23/II/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18  
है तथा जो शेर कोटडा, मेहदुद होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1979  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-256GI/80

(1) मै० मधुरेश काप्रोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार  
श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकिवाड,  
मारंगपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबचन्दभाई प्रेमजीभाई, शाप नं० 13,  
दशरथलाल निमनलाल कापड मार्केट,  
मेहदुद होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के  
पाम निश्चित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 13 जो डी० सी बाजार, मेहदुद होटल के पास,  
राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8-  
पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्या-  
लय में बिक्री खत नं० 14117/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की  
गई है अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980  
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1114-एक्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18, है तथा जो शेर कोटडा-मेहदुध होटल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1979

को पूर्वांकन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० मधुरेश कोप्रेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल, 111, सकिवाड, मारंगपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) अम्बिका कल्लोथ ब्रादर्स के द्वारा भागीदार श्री बलदेवभाई गोपालदास, शाप नं० 25, दशरथलाल चिमनलाल कल्लोथ मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 25 जो डी० सी० मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टि० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8-पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13956/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1115-एफवी-23/I/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एफ० टी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शेर कोटवा मेंहुबुहा होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० मदुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबु भाई दशरथ भाई पटेल,  
111, सरकीवार्ड, सारंगपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री चुणीलाल भगवानजी एण्ड सन्स,  
शाप नं० 10, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार,  
राईपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 10 जो डी० सी० सी० मार्केट, मेहुबुहा होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० नं० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13957/दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है, अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 29 जुलाई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1116एक्वी-23/1/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस०-18 है तथा जो गोर कोटडा मेहदुध होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० मधुरेश कोपरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल, 111, सकि वार्ड, सारंगपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) शाह हुंजरचन्द कपूरचन्द, शाप नं० 21, दशरथलाल चिमनलाल कपडा बाजार, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शाप नं० 21 जो डि० सी० सी० मार्केट में मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० नं० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13969/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० पी० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :



प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शेर कोटडा-मेहदुध होटल के पास अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

(1) मै० मधुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार  
श्री बाबुभाई दशरथभाई पटेल,  
111, सरकवाडी सारंगपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द भाई हरकचन्द शाप नं० 4,  
दशरथनाल श्मिनलाल कपड़ा बाजार,  
मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर,  
अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 4 जो कि डी० सी० मार्केट, मेहदुध होटल के पास, राईपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० नं० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खाता नं० 13955/दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 29 : जुलाई 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1118 एस्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी एफ० पी० नं० पैकी टी० पी० एस० 18 है तथा जो शहर कोटा, मेहदूध होटल के पास अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घाटन स उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० मथुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल, 111, सरकीवाड सारंगपुर [अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती ईछराजदेवी मांगीलाल कोठारी शाप नं० 22, दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार मेघदुत होटल के पास रायपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-8 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 22 जो दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार में मेघदुत होटल के पास राईपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद में स्थित है, जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 13954/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पोरेट सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1119 एक्वी-23/1/80-81—  
अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 है।  
तथा जो शेर कोटा, मेघदुत होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० मथुरेश कारपोरेशन, के द्वारा मनेजिंग भागीदार  
श्री बाबूभाई दशरथभाई पटेल,  
111 सरकिबार्ड, सारंगपुर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) आर० खोडीदास कम्पनी शाप नं० 13,  
दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार, रायपुर दरवाजा  
के बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शाप नं० जो दशरथलाल चिमनलाल कपड़ा बाजार में  
मेघदुत होटल के पास, रायपुर दरवाजा के बाहर—टी० पी० एस०  
18, एफ० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद  
रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खत नं० 13192/दिसम्बर 1979  
में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मानकित सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एम० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1120/एफवी-23/I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18, है तथा जो शेर कोटा -मेधदुत होटल के पास अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० मथुरेण कारपोरेशन के द्वारा मैनेजिंग भागीदार श्री बाबु भाई दशरथलाल पटेल,  
III सरकीवाडी, सारंगपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) लेलितकुमार त्रिजकिशोर शाप नं० 12,  
दशरथलाल विमनलाल कपड़ा बाजार, मेधदुत होटल के पास, रायपुर दरवाजा के बाहर,  
अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 12 जो दशरथलाल विमनलाल कपड़ा बाजार में मेधदुत होटल के पास, रायपुर दरवाजा के बाहर टी० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में बित्री खत नं० 13198/दिसम्बर, 1979 में रजिस्ट्री की गई है अर्थात् मलकियत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 29 जुलाई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1121/एक्वी-23/I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 402, प्लोट नं० 27 है तथा जो उमाकान्त उद्योग नगर, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—256GI/80

(1) श्री हेमनशा परशोत्तम बखारीआ  
गोन्डल रोड, चंदन विला  
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री दाह्याभाई शिवाभाई आकाबरी

2. गोकुलशान शिवाभाई आकाबरी

3. जमनादास शिवाभाई आकाबरी

कालावड (शिटाला) ग्रेन मार्केट रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 1605 चौरस गज है और जिसका सं० नं० 402 और प्लोट नं० 27 है। यह जमीन उमाकान्त उद्योग-नगर राजकोट में स्थित है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजकोट के कार्यालय में ता० 15-12-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 3 अगस्त 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1980

निर्देश नं० पी० आर० नं० 1122/एक्वी-23/1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिस की सं० प्लोट नं० 4-बी है। तथा जो कालुला रोड,  
भावनगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शैलेश प्रेमशंकर गुक्ला,  
पावर आफ अटार्नी होल्डर,  
अम्बावाडी, कैलास बंगलो,  
भावनगर।

(अन्तरक)

(2) जममीन फ्लेट्स को० ओप० हाउसिंग सो० लि०  
चेयरमैन रणभीकान्त बालचन्द्र गांधी,  
बोरा बाजार, जैन मंदिर के पास  
भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 470 चौरस गज है और जिसका  
प्लोट नं० 4-बी है और जो कालुला रोड भावनगर में स्थित है  
और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भावनगर के कार्यालय में ता०  
15-12-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 4-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1123/एक्सी-23/1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मॉडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 1489 और 1493-1 पैकी प्लोट नं० 11 है तथा जो शंकर टेकरी गोरधनपार रोड़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धीरे/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनसुखलाल जीनाभाई मेहता  
सैन्ट्रल बैंक रोड़,  
जामनगर

(अन्तरक)

(2) लखमशी जेठाभाई शाह  
गांव नवागाम  
ता० लालपुर  
जि० जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 5104 चोरस गज है और जिसका रे० से० नं० 1489 और 1493-1 है। और प्लोट नं० 11 है, यह जमीन शंकर टेकरी के पास गोरधनपरा रोड़ जामनगर में है। ये मिलकन रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा ता० 7-12-1979 को रजी० नं० 2733 से रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मॉडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-1980

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1124 से 1144 —अतः मुझे

एस० एन० मॉडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जागनाथ एपार्टमेंट्स है तथा जो जागनाथ एपार्टमेंट्स राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विजयाबेन बल्लभ दास मेहता  
"मातुछाया"  
26 मिलपरा,  
राजकोट (अन्तरक)

(2) (1) किशोरभाई भगवानलाल गांधी जागनाथ एपार्टमेंट्स  
राजकोट

(2) वुमुदबेन हेमन्द महता

- (3) श्री रंजनबेन के० रानपरा जागनाथ ओपार्टमेंट्स राजकोट
- (4) विनोद चन्द्र टी० संगालिया "
- (5) श्री बीसन सेवकराम केवलानी "
- (6) श्री अलूल चन्द्र डी० शुक्ल "
- (7) रमेश चन्द्र एच सोमैया "
- (8) हसमुखराय अमृतलाल शाह "
- (9) धनश्याम खुशालदास सुगंध "
- (10) अमृतलाल वैसनजी टुवाल "
- (11) हंसमुखलाल ए० कोठारी "
- (12) ठाकरसी जेठालाल "
- (13) श्रीमती सी० जे० शाह "
- (14) श्रीमती जोगीन्दर कौर वाही "
- (15) श्रीमती मन्जुला बेन वी० पटनी "
- (16) श्री हरमोचिन्द आर० पावागडही "
- (17) श्रीमती सविताबेन हिमनलाल कोठेक "
- (18) सवजीभाई शांतिलाल हंसालिया "
- (19) रंजनबेन आर० पटेल "
- (20) बल्लभदास मोहनलाल भालोदीया "
- (21) नानालाल तालाक्षी "

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एपार्टमेंट्स नं० 16, 12, 3, 20, 21, 22, 19, 24, 23, 13, 10, 8, 2 और 5, 1, 15, 11, 14, 9, 17, 4, और 7 सब मालाकर 21 ओपार्टमेंट्स हैं, ये सब एपार्टमेंट्स जागनाथ ओपार्टमेंट्स में हैं और जो जीमखाना रोड, पुराना जागनाथ प्लोट, राजकोट में हैं। ये मिलकर रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी राजकोट के द्वारा रजिस्टर्ड नं० 3264, 851, 2018, 455, 456, 457, 451, 458, 600, 1876, 459, 798, 797, 730, 599, 454, 453, 1218, 452, 1217, और 799 द्वारा ता० 31-12-1979 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

एस० एन० मॉडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-1980

माहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निदेश सं० पी०आर० नं० 973/एक्वी/23-II/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अतवा जुना एस० नं० 30 प्लॉट नं० 27, एस० नं० 1071, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री कान्तिनाथ छगनलाल शाह,  
हरिपुरा, तारातीया हनुमान शेरी, सूरत  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री महेन्द्रा गणपतिशङ्कर शुक्ला; के द्वारा  
मनिलाल पटेल एण्ड कं०, चकसपीर गली के  
सामने, निमडा चौक सूरत।  
2. डाकोरभाई दयाभाई देसाई के द्वारा बिपिन देसाई,  
यूनियन बैंक आफ इण्डिया के सामने,  
कानपित, सूरत  
प्रमोटर्स मेहालि एपार्टमेंट्स कोऑपरेटिव हाऊसिंग  
सोसायटी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है ही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अतवा गांव—जुना एस० नं० 30 पैकी, प्लॉट नं० 27, वर्तमान नं० 1071 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 12-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 11-अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० एक्वी-23-II/80-81— अतः

मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिस की सं० मजुरा आर०एस० नं० 118 पैकी-सबप्लॉट नं० 25, है तथा जो मजुरा एस० नं० 102 टी० पी० एस० नं० 9 सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्नामणि पियूष दलाल,  
बी० ए० राणडे रोड, दावर,  
बॉम्बे-28

(अन्तरक)

(2) श्री बनकिम तरुणचन्द्रा देवे,  
रतनशंकर मसटोराणी शेरी, अम्बाजी रोड,  
सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो मजुरा आर० एस० नं० 118, सब-प्लॉट नं० 25 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-12-79 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
[अर्जन रेंज-II अहमदाबाद]

दिनांक : 11 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० पी० आर० नं० 1149 एक्वी-23/I/80-81--

अतः मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की सं० नं० 13 है तथा जो जेतपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 11-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) प्रमाण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1) के  
कमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री माधा करसन रैयानी  
बाबाबाला परा, जेतपुर

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीरीसकुमार जगतराय पारेख  
2. बाबुभाई उकाभाई खोडापारा,  
जेतपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्कों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत की जमीन जो माप में 4 एकड़ 39 गुन्टा है जिसका  
सर्वे नं० 39 है। और जो जेतपुर में स्थित है। ये जमीन दस्तावेज  
नं० 1586 के द्वारा ता० 11-12-79 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जेतपुर द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 962 एकत्री- 23/I/80-81--  
अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिमकी सं० नोद नं० 1646, वार्ड नं० 11, सोदागर वार्ड  
है, तथा जो मछलिपित, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 28-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमण्डजी पेस्वानजी पेडगारा, 11/1646,  
सोदागर वार्ड, मछलिपित, सूरत।  
(2) श्री दोलध धराबणा पटेल,  
(3) कोरमद धराबणा पटेल,  
155, राज निवास, वाटर फील्ड रोड,  
बोम्बे-50।

(अन्तरक)

2. श्री रामदास बाबू राव ववेसकर, नानपुरा, जमरूक  
गली, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जा सोदागर वार्ड, मछलिपित वार्ड नं० 11,  
नोद नं० 1646 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय  
में तारीख 28-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 963 एक्वी-23/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 839, वार्ड नं० 6 है, तथा जो  
चपारिया शरी, माहिंदारपुरा, सुरत में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-12-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोझ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

7-256GI/80

1. श्री इन्द्रा वर्धन अम्बालाल पण्ड्या, हरिपुरा, भवानी  
वार्ड, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जितेन्द्रा चम्पकलाल शाह,

(2) श्री हरीश कुमार चम्पकला शाह, महिन्द्रापुरा,  
चपारिया शरी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अयोधस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो माहिंदारपुरा, चपारिया शरी, नोद नं० 837,  
वार्ड नं० 6 में स्थित है। सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में  
तारीख 13-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद।

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 964 एवबी०/23/II/80-81

—यतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोट नं० 2345, वार्ड नं० 4, धरिया वार्ड सालावत पुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धनरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सहित किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हसन भाई मोहम्मद भाई,  
श्री अहमद भाई कासम भाई,  
साम्बा बाजार तयब मोहल्ला, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) अबुबेकर अहमद भरानिया,  
(2) इब्राहिम अबुबेकर  
(3) मोहम्मद कासम अबुबेकर,  
(4) नूर मोहम्मद अबुबेकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो धारि वार्ड सालावतपूरा नोट नं० 2345 वार्ड नं० 4, सुरत में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 31-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 5-8-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 965 एक्सी-23/II/80-81—

अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंद नं० 399, बार्ड नं० 9, स्टोर शेरी है, तथा जो वाडी फलिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः—

1. (1) श्री प्रभाकर धीरजलाल स्टोर और अवस्यक पुत्री ननदीता प्रभाकर स्टोर,
- (2) श्री विात कुमार प्रभाकर स्टोरस,
- (3) श्री उमाबेन प्रभाकर स्टोरस,
- (4) श्री जयलोना उर्फ जयन्ती बेन, सुरेशचन्द्रा धीरजलाल स्टोर का विधवा
- (5) अंभस्का इमन सुरेश चन्द्र स्टोर,
- (6) अवस्यक ईश्वरी सुरेश चन्द्र स्टोर
- (7) अवस्यक धनविया सुरेशचन्द्र स्टोर रजिडेंस मलवार हिल, गोधा रोड, बोम्बे

विधि प्रतिनिधि यप० निचमवरी सुरेश चन्द्रा मिसेज स्टोर

(अन्तरक)

2. हरिकिशनदास स्टोरशेरी, बार्डश्री चम्पकलाल फालिया सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकयत जो जिसका नं० 399 स्टोर शेरी, वा फालिया सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-12-1979 पर रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 966 एक्वी-23/II/80-81---

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 50/1 विभाग सी० टिका नं०  
1/2 है, तथा जो रावपुरा वाड आनन्दपुरा, बडोदा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूत से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडोदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
14-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फलगन भाई चिमन भाई पटेल अम्बा वाडी हीराभाग  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. डा० गिरीशभाई नटवरलाल शाह और डा० (मिसेस)  
मन्जुलाबेन एस० शाह, द्वारा उनके मुस्मारजाभा  
डा० सतीश भाई नटवरलाल शाह विष्णु कालोनी  
जेटलपुर रोड, बरोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जो जमीन पर विभाग सी० टिका नं० 1/2,  
सी० एस० नं० 50/1 रावपुरा वाड में बरोदा में स्थित है जो  
बिक्री खत नं० 5924 पर बरोदा रजिस्ट्रार के कार्यालय में  
तारीख 14-12-1979 में वर्णित में रजिस्ट्री की गई है ।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1980

मोहर :



## प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 967 एन्वी०/23/II/80-81—  
यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पत्र विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एस० नं० 291/ए-2 और 292/1/2 है, तथा  
जो बड़ोदा कस्बा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 21-2-11979 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्ये पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय स्थावर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थनाः—

1. श्रीमती प्रेमलता केसरिनाथ गुप्ता, 17-ए सुदामापुरी  
मनजलपुर, बड़ोदा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण प्रसाद माथुर प्रसाद शुक्ला,

(2) श्रीमती गयनावती नारायण प्रसाद शुक्ला  
“जयनिल” आर० बी० देसाई रोड,  
बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाक्षताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन निर्माण के साथ जिसका विस्तार 10 गुंठा और  
पलिन्य विस्तार 2000 वर्ग गज पर सर्वे नं० 291/ए-2 और  
292/1/2 में बड़ोदा में स्थित है जो बड़ोदा रजिस्ट्रार के  
कार्यालय में बिक्री खाता नं० 6033 तारीख 21-12-1979 में  
रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-2980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 968 एक्वी-23/II/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन अदाजन गांव में, वार्ड नं० 17 है, तथा जो तालुका चोरयासी, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मेनक बाई मोसेद पेसतानजी वास भाई की पुत्री और अरकाशा कावसजी तुरेल की विधवा, बिलिनी जाड़ा, सैयवपुरा, सूरत

(अन्तरक)

2. गोरंग जोगदास 54 संगम सोसायटी, रनधेर रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अदाजन आर० एस० नं० 2, वार्ड नं० 17 पर स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26 दिसम्बर 1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 969 एवबी०-23-II/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 8, है, तथा जो कानबिवास,  
बरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरूच  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वापस ले  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुलामरासूल महमद शेख,, ईस्ट चुनाखाड,  
बरूच

(अन्तरक)

2. अध्यक्ष : गुलाम तुजा गुलाम महमद शेख, साई बाबा  
को-आ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ईस्ट वाड, चुनार  
बरूच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो कानाबी बागा गांव में आर० एस० नं० 8  
पर तारीख 31-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है ।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 970-एकवी-23/II/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोद नं० 1147 वाई नं० 1, है, तथा जो बागर मोहल्ला, नानपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

रुकुमिनीबेन मणिलाल और उनकी सभी पुत्रों

(1) गिरगणचन्द्रा मणिलाल,

(2) चन्दुलाल मणिलाल

(3) रमेशचन्द्र मणिलाल,

नानपुरा डांगर मोहल्ला, सूरत

(अन्तरक)

2. जगदीशचन्द्र गुलाब चन्द, मगनी देवी मदन लाल, असीदेवी प्रभातिलाल, प्रभाती देवी ओम प्रकाश, महिदारपुरा, गिया शेरी सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो नोद नं० 1147, वाई नं० 1, बागोर मोहल्ला, नानपुरा सूरत में स्थित है। जो ता० 31-12-1979 में सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 971/एकवी-23-2/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 327/1 है, तथा जो चकलासी पटी नडियाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 '1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8-256GI/80

1. श्री प्रकाश चन्द्र राव जी भाई पटेल, मयूरकुंज सोसायटी नडियाड

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरमिषताबेन रजनीकान्त शाह मयूरकुंज सोसायटी नडियाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका सं० नं० 327/1 जो, मयूरकुंज सोसायटी, चकलासी पाटी विस्तार, नडियाड में स्थित है। जो सब रजिस्ट्रार के कार्यालय नडियाड में बिक्री खत नं० 3237 पर रजिस्ट्री की गई है तारीख दिसम्बर 1979 और जो सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 8-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 972एक्वी०/23-II/80-81

—यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 3253 और 3254 है, तथा जो लाखावाड  
पाटी विस्तार वैशली सिनेमा के पास नडियाड में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1989  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चन्द्रकान्त कालिदास पटेल, काकर खाड  
(2) ज्योतिन्द्र सूर्यकान्त पटेल, काकर खाड  
(3) कीर्ति कुमार सूर्य कान्त पटेल,  
(4) पिनाकिन सूर्यकान्त पटेल, लाकावाड चोरा  
नडियाड

(अन्तरक)

2. महेश्वरी नगर का० ओ० हौ० सोसायटी  
के द्वारा मुख्या प्रमोटर जगदीश चन्द्रा मोहन लाल शाह,  
के द्वारा पुष्कर एण्ड कं०, लैंड आरगनाइजेशन  
सरदार भवन, स्टेशन रोड के पास नडियाड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 3253 और 3254 पर लाकावाड  
पाटी विस्तार में ही० पी० एस० नं० 1, नडियाड में स्थित है।  
जो नडियाड रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्री खत नं० 3988  
और 3989 पर ता० 13-12-1979 पूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री  
की गई है।

एस० एन० मांडल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 8-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 980 एक्वी०-23-II/80-81---

यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 233, 232/2, 232/1, 231/3, 1 231/1 और 232/2 है, तथा जो मुलतानाबाद, डामास, सूरत में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अंश है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी धन की बाब में उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री गुलाब दास पी० जारोवाला, बेगामपुरा, वाडवाली शेरी सूरत

(अन्तरक)

2. श्री मकुन्द बेनिलाल दलाल, 9/1302, बालाजी रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो 1/5 भाग सं० नं० 233, 232/2 231/1 231/3, 231/1 और 232/2 मुलतानाबाद डामास में स्थित है। जो तारीख 15-12-1979 में यथोचित रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्द् टी० एन्० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर्० नं० 981/एक्सी०/23-3/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन्० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए, सर्वे नं० 46 है, तथा जो जनकपुर बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सविताबेन रामन लाल पटेल, अमी एपार्टमेंट नं० 2, गोपाल भाग के सामने, रेस कोर्स सर्कल बड़ौदा (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्रा मनुभाई पटेल, 'रामधीप' गोपाल भाग के में पास रेसकोर्स सर्किल, बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जो प्लॉट नं० ए, सर्वे नं० 64, जेतलपुर गांव बड़ौदा में स्थित है। जो सब रजिस्ट्रार बड़ौदा के कार्यालय में बिक्री खत नं० 5756 पर तारीख दिसम्बर मासिक, 1979 में रजिस्ट्री की गई है। और अर्थात् मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

एस. एन्० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980

मोहर :



प्रारूप आर्.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

289-घ (1) के अधीन सूचना

महानगर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 982एक्यू० 23-II/80-81—

यतः, मुझे, एस० एन० मंडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस 186 में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 8, प्लॉट नं० 1-ए, मलिन प्लॉट नं० 1 एवं नं० 167 और 168 है, तथा जो प्रताप नगर इंडस्ट्रियल एरिया, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-प्राधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये इस धारा का प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें धारक या आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एन० बी० धारिया,
- (2) एस० बी० धारिया,
- (3) वाई० बी० धारिया,
- (4) एस० बी० धारिया
- (5) जे० बी० धारिया,

सब रहते हैं :—

10, निर्मल निवास, बोमानजी पेटिट रोड  
बम्बई-6

(अन्तरक)

2. मैसर्स शान्तिलाल मणिलाल एण्ड सन्स, 660/795  
सुन्दर चौक, मुलजी जेटा मार्केट, बाम्बे-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्यवाहिया :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या इसके पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और मकान जिसका रेवेन्यू नं० 167 और 168, सब प्लॉट नं० 6 प्लॉट नं० 1 ए, मलिन प्लॉट नं० 1, प्रतापनगर इंडस्ट्रियल विस्तार, बड़ौदा में स्थित है। जो बिक्री खत नं० 4175/71 पर सब रजिस्ट्रार बाम्बे के कार्यालय में तारीख 14-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत सम्पूर्ण वर्णित है।

एस० एन० मंडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दूसरी मंजिल, हैण्डलूम हाउस,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद-380009, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 983/एक्वी०-23-II/80-81

—अतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, सर्वे नं० 42, हिस्सा नं० 1 है, तथा  
जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भानू भाई लाकाभाई पटेल, 20, वृन्दावन कालोनी,  
रेसकोर्स सिकल बड़ौदा ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त मनिभाई पटेल (एच० यू० एफ०)  
भारतीबेन रमेश भाई पटेल दोनों कानपुर में रहता  
आनन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रयत्न होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अचल मलकियत जो प्लॉट नं० 2, सर्वे नं० 42 और हिस्सा  
नं० 1, सुभानपुरा बड़ौदा में स्थित है । जो बिक्री खत नं०  
6115 पर रजिस्ट्रार बड़ौदा के कार्यालय में दिसम्बर महीना  
1979 में रजिस्ट्री की गई है । अर्थात् मलकियत सम्पूर्ण वर्णित  
है ।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं आर० ए० सी० नं० 188/80-81—यतः, मुझे,  
एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-330/ए है, तथा जो मुरादनगर  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. (1) श्रीमती रजिया बेगम,  
(2) श्री मुहम्मद आजामोद्दीन,  
(3) मुहम्मद मनीरोद्दीन,  
(4) मुहम्मद मुक्तारोद्दीन ,  
(5) मुहम्मद जुलफेकारोद्दीन,  
(6) मुहम्मद जहीरुद्दीन ,  
(7) मुहम्मद कुरेशीद्दीन,  
(8) श्रीमती व महबूब अफसर बेगम,  
(9) श्रीमती जाफर बेगम —तमाम का घर मुरादनगर  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वहीदा रूकसाना पति मुहब्बुद इब्राहीम गौरी  
घर नं० 49 दत्तात्रिय कालोनी हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 12-2-330/ए मुरादनगर, हैदराबाद वीस्तन  
3-60 वर्ग याई रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7271/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 189/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सञ्चन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 12-2-330 है, तथा जो मुरादनगर  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौं  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको)  
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए  
न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उल्लंघन (1)  
के अधीन द्योतितमिच्छित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रजिया बेगम, पती स्वर्गीय मुहमद  
इमामोद्दीन  
(2) श्री मुहमद आजमोद्दीन  
(3) मुहमद मजाजोद्दीन,  
(4) मुहमद मुञ्जरोद्दीन,  
(5) मुहमद जुल्फेकारोद्दीन,  
(6) मुहमद जहीरोद्दीन,  
(7) मुहमद कुरणीद्दीन,  
(8) श्रीमती महबूब अपसर बेगम,  
(9) श्रीमती जापर बेगम  
तमाम का घर मुरादनगर हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री मुहमद दाऊदगिरी पिता मुहमद यक़ुम गौरी  
मुरादनगर हैदराबाद (12-2-330 मुरादनगर)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसूची

घर नं० 12-2-330—ब्रीस्तीन 360 वर्ग यार्ड मुरादनगर  
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7269/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, हैदराबाद में।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 191/80-81

—अतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड 19/ब्लाक 3 है, तथा जो विजय नगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-256OI/80

1. श्री मुहमद अब्दुल समद पुत्र स्वर्गीय गुलाम जीलमनो 11-1-204 अगहापुर हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) सैयद मुलतान और दूसरे पुत्र स्वर्गीय सैयद पासा 11-3-547 मालेपल्ली हैदराबाद ।  
(2) सैयद फरहान पुत्र स्वर्गीय सैयद पासा, 11-5-589 रेड हिल्स, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराई गईं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 942 स्केयर यार्ड मालेपल्ली हैदराबाद में रजिस्ट्री नं० 7035/79 हैदराबाद में ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-7-1980

मोहर :

प्रारूप आदेशों एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० एं० सी० नं० 192/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-8-59 से 91 है, तथा जो स्टेशन रोड,  
नामपल्लि हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—(अ) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री मूलजी प्रेमजी सपुत्र प्रेमजी ज्ञान बाग कालोनी  
हैदराबाद (अन्तरक)2. श्री लालजी शिवजी सपुत्र शिवजी मकान नं० 5-3-  
824 गोश महल, हैदराबाद (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोःस्था-  
पारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गणों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

5-8-59 से 5-8-91 तक प्लॉट नं० 11 स्टेशन रोड,  
नामपल्लि हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7187/79  
हैदराबाद में।एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-7-1980

मोहर :

प्रूप माई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० आर० ए. सी० नं० 193/80-81—यतः,

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-2/3 प्लॉट 2 है, तथा जो आनन्दनगर कैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री भगवान दास सपुत्र श्री हेमन दास लालबानी 3-6-361/26 हिमायत नगर हैदराबाद और 8/1028 मुखरम जहि रोड, बारंगल में रहने वाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिया जबिन पत्नी सैयद मुमताज अली मकान नं० 3-6-428/1 हिमायत नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषितकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन सी-2/3 प्लॉट 2 आनंद नगर कैरताबाद हैदराबाद में सर्वे नं० 94, 95 और 96 रजिस्ट्री हैदराबाद में दस्तावेज नं० 3186।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 196/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर प्राधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वासने कर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-563/2 का विभाग है, जो चारमीनार क्रास रास्त हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एकद्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) पल्लुकीचीबा सूर्य नारायणा,  
(2) पी० कालीदास दोनी का घर नं० 4-3-33  
कीताग्रहण वीधयनगरम पे-पी वैधाक-जीला  
(अन्तरक)

2. मैसर्स सूर्यमुखी इन्टर प्रेसेस

(1) डा० जी० नागमुशणय चीकडपल्ली हैदराबाद  
(2) बी० गोपाल राव घर नं० 1-9-312/2  
विध्यानगर हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का विभाग बीस्तन 424 वर्ग या है मा० या नं० 1-8-563/2 अर्थात् में बीवार है अजामाबाद इन्डस्ट्रियल पर चार मीनार क्रास रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7514/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 197/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 450 वर्गगार्ड जमीन है, तथा जो चारमीनार  
क्रास रास्त. हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरण के बाहिर में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया या या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पलकुरी चिन्ना सूर्य नारायणा ,  
(2) पी० कालीदास-धर नं० 4-3-33 कीर्तप्राहाम  
विजयनगरम ए० पी० वैजाग जिला  
(अन्तरक)

2. मैसर्स सूर्यमुखी इन्टर प्रिसेस  
(1) डाक्टर श्री० जाराकुण्णय चीकडपल्ली हैदराबाद  
(2) बी० गोपाल राव धर नं० 1-9-312/2  
विध्यानगर हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 40 वर्ग गार्ड है और मा० नं० 1-8-563/2  
का भाग है जिसकी अनाप में दीवार है आजयाबाद  
इंडस्ट्रियल जगह में चारमीनार क्रास रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री  
वस्तावेज नं० 7642/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एस० गोविन्द राजन  
सज्जम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 198/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 136, 137, 139 142 है, कोटापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगतों, घोषित:—

1. श्री टी० भारत सिंह 3-6-150 हिमायतनगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. वी० ए० पी० कमणियल कर ईमपलाईज कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड नामपल्ली हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन सं० नं० 136, 137, 139 तक 142 जुमला धीस्तन 3 एकर्स है कोटापेट हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7494/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० ए० ए० 199-80-81/ए—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 199-80-81/ए—

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 159, 160 है, तथा जो जमीनस्थान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० बाबध्या 1-6-519, जमीनस्थान, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री कलाधर धीकर सेक्शन को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी बाकारम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अन्तरण किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 159 और 160 वीस्तीर्ण नं० 2700 वर्ग मीटर है दयारामारकेट, जमिनीपुर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7076/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

एस० गोविन्द राजन

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 200/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० सर्वे नं० 299/1 है, तथा जो मलकाजीगिरी गांव सिन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्थायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुबन्धन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती एमवी बेगम, याकूतपुरा, हैदराबाद,  
(2) मीरमोहम्मद हुसैन, याकूतपुरा, हैदराबाद,  
(3) मीर मजहम्मद हुसैन, जी० पी० ए० नं० 3-1  
(4) सैयद उस्मान अली, मौला अली, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. मेसर्स इन्डो नियन एशिया कारमीक गृह निर्माण सहाकारा संगम, टी० बी० नं० 108 गोपाल रेड्डी प्राधिकारिता में सी० के० एस० आर० के० मूरती सेक्टर, वी सुदर्शन राव कमेटी मेम्बर है।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 299/1 का विभाग है, वीस्तीर्ण नं० 14 एकड़ है मलकाजीगिरी गांव में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 12475/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ट्रस्ट में।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 201/80-81—यन,  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,  
धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 298/1 और 303/1 है, तथा जो मलकाजगिरि  
गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद नार्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिमम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अनुरक के  
धायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी घर या अन्य आस्थियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या फिर जाना जा रहा था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

256G1/80

1. (1) श्री पी० बी० एन० निम्मारजू  
(2) पी० सुब्बाराजू,  
(3) सी० आर० राजू  
(4) श्री के० आर० राजू,  
(5) श्रीमती जानिकम्मा सब निवासी घर नं० 1/191  
निगोजिगंडा गांव ।

(अन्तरिती)

- (2) M/s The Modern Co-operative Housing Society  
Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah  
H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hyderabad.  
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में दिया परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 298/1 और 303/1 मलकाजगिरि  
सिकन्दराबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 12555/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद नार्थ में है ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 202/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन मजबूत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 303/1 है, तथा जो मलकाजगिरि, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरा (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मामूक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पी० बी० एम० थिम्माराजू,
- (2) श्री पी० मुन्नाराजू,
- (3) श्री सी० एच० आर० राजू,
- (4) श्री के० आर० राजू
- (5) श्रीमती एम० जानिकम्मा, घर नं० 1/191, लिंगोजिगडा गांव ।

(अन्तरक)

2. दि मॉडर्न कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी 4-1-624, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 303/1, मलकाजगिरि, सिकन्दराबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12658/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ईस्ट में है ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 203/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-र० से अधिक है

और जिसकी सं० 146 से 149 है, जो लोथूकुन्टा गांव, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए मर्यादा मर्यादा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सूरज गौली, घर नं० 76/ए०, तस्मिलवेरी मिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. दि कोकायता कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधाहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 1 एकड़ सर्वे नं० 146, 147, 148 और 149 लोथूकुन्टा गांव रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 2787/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980

मोहर :

## प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 204/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 25 (22-7-269/25) है जो, सालारजंग मार्केट, दिवान डेविड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० शॉ विल्डर्स 22-7-269/3 दिवान देविड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री मैयद बिन अमिर पुत्र अमिन बिन अबदुल्ला, 22-1-371 मुलतानपुरा, हैदराबाद-24। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 25 (22-7-269/25) मालारजंग मार्केट, दिवान डेविड हैदराबाद में जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजामपुरा के रजिस्ट्रीकृत नं० विलेख 3535/79 में दर्ज है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-8-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 205/80-81—यतः  
मुझे, एम० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० दुकान है जो मालाजंग, मार्केट दिवान  
डेवडि में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अजामपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
बिना गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
असो करने या उसी वर्ष में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जामा आदि आदि, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सूच्य में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शॉ बिन्डर्स, 22-7-269/3 दिवान डेवडि,  
हैदराबाद। द्वारा पार्टनर श्री मैथपद अब्दुल हमीद, पुत्र मैथपद  
अब्दुल्ला, 6-2-977 "गुलिस्तान" खैरनाबाद, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री बशीर अहमद पुत्र गुलाम मोहम्मद, 16-5-91/  
3. फरहत नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान मालाजंग मार्केट दिवान डेवडी, हैदराबाद में जैसा  
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजामपुरा के रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 3534/79 में है।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ऐं० सी० नं० 206/80-81--  
यतः सुश्री, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० शाप नं० 24 है, जो 22-7-269/24 सालारजंग मार्केट दिवान देवडि हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजानपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरण निम्नलिखित वास्तविकता को ध्यान में रखा गया है:--

(क) अन्तरण के द्वारा किसी प्राय की मात्रा, उक्त अधिनियम के प्रमाण के द्वारा अन्तरक के दायित्व के रूप में करने या उससे बचना में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. शां बिल्डर्स 22-7-269/3 दिवान देवडि हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री मोशिन बिन अमिर मदिना बिल्डर्स 22-1-371 मुलतान पुरा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण--इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 24 (22-7-269/24) सालारजंग मार्केट में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3533/79 में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-8-1980  
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

राबाद, दिनांक 8 अगस्त, 1980

निर्देश आर० ये० सी० नं० 207/80-81—

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो अजमाबाद हैदराबाद  
में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकरन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पर्याप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरन में ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकरन का पन्द्रह प्रतिशत प्राधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिकरन, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उनसे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या हिली घन या अन्य घास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोज्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पालूकूर चिन्ना सूर्यनारायण पालूकूर कालिदास  
4-3-33 कोटा अग्रहारम, विजया नगरम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० अरुना बाई पति श्री मोतीलाल मकान  
नं० 13-2-362 र्हामपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन मकान नं० 1-8-563/2 अजमाबाद,  
हैदराबाद में है विस्तीर्ण 450 चतुर्गज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 7010/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में  
है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8 अगस्त 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 208/80-81--यतः  
मुझे, एम० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 302, 303, 309 और 293  
है, जो गुड्डा मल्लापुर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्रीमती के० सत्यावती श्रीमति के० मानिकग्राम्मा, श्री०  
जो० हरिनाथ, राख जी० पी० ए० वि० काल्पना, जी० हरीनाथ राख  
घर नं० 12-2-716 बोरबन, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. मै० एकाउण्टेंट जनरल आफिस कोआपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी, सैफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

राजपत्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 302, 303, 309 और 293 गुड्डा मल्लापुर  
में विस्तीर्ण 2 एकड़ 26 गुटा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 3105/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कैरताबाद, हैदराबाद  
में है।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ऐ० सी० नं० 209/80-81—

यतः मुझे, एम० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सर्वे नं० 1-4-1011 गोलकोंडा फ़ास रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती आमना लार्ड पति अब्दुल हुसैन
- (2) ताराबाई पति महमूद अली हरयानावाला
- (3) फकरुद्दीन पिता अब्दुल हुसैन
- (4) हातिम हुसैन पिता अब्दुल हुसैन, 1-4-1011 गोलकोंडा फ़ास रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री तिरुमला टावर कन्स्ट्रक्शन्स पार्टनर श्री एम० एम० चन्द्रावध्या 1-1-593/सं० गांधीनगर, हैदराबाद—500380। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन नं० 1-4-1011 विस्तीर्ण, 704 चतुर गज गोलकोंडा फ़ास रोड हैदराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7615/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 210/80-81—  
यतः मुझे, ए० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है, जो सर्वे नं० 145 बका-  
राम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन  
दिसम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० अहोबिला शास्त्री 1-1-742/ए० गांधी-  
नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती अजरा सुलताना पति कुमालुद्दीन 1-4-  
879/53 गांधीनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9 सर्वे नं० 145 विस्तीर्ण 395 चतु,  
बकाराम हैदराबाद में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
7721/79 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद में है।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-80  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 211/80-81—

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 116, 117, 118 है जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रसरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आर को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रसरण के शायिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर रणिक चिनाय 134, पेडगगास्ट रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साध्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन, सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7448/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 212/80-81—

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गूल डि० उमरगिर राजा महल 144 मर्हिष कर्वे रोड, बम्बई। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तीन बिडिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन, सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7449/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 19-8-80

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 213/80-81—  
यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क  
लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुचर्ची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्विक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
ई, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पित :—

1. श्रीमती सोना एन चिनाय 1431 मेसिनटायर रोड,  
सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी 116 पार्क लेन,  
सिकन्दराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तान बिडिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन,  
सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7450/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

**प्रकरण आई० डी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 214/80-81—

वतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

आर जिसका सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोना एन० चिनाय 143/1 मेसिनयपर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

तिन बिलिडिंग नं० 116, 117, 118 पार्कलेन सिकन्दराबाद में जमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7451/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980.

मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 215/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय कीबाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सोना एन० चिनाय 143/1 मासिनटायर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग नं० 116, 117 और 118, पार्क लेन सिकन्दराबाद, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7352/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

गोविन्द राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 216/80-81—

बतः मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, निकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सोना एन० चिनाय और लोग, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में और रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7579/79 है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्रकरण धार्मिक शी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 217/80-81—यतः,  
मुझे, एम० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क  
लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अस्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी धाय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारिता :—

1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर  
रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 116 पार्क लेन,  
सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स 116, 117 और 118 पार्क लेन  
सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7424/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 218/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिमम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 7425/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 219/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरा (प्रन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर रशीद चिनाय, चिनाय मानसन 134-बी०, पैडरगास्त रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शनस कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7427/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 220/80-81--

यतः मुझे, एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116, 117 और 118 है, जो पार्क लेन, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती सोना एन० चिनाय, 143/1 मासिनटैर रोड, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी, 116 पार्क लेन सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स 116, 117 और 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7426/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एम० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहर:



प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 221/80-81—यतः,

मुख्य एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116 117 और 118 है, जो पार्क, लेन सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गूल डी० उमरीय 114, राजामहल, 7 करवे रोड बम्बई। (अन्तरक)

2. मै० नटराज कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन बिल्डिंग्स नं० 116, 117 और 118 पार्क लेन सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7428/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 11-8-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज हवराबाद

हवराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 1056—यतः मुझे  
एस० गोविन्दराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-28-23 है, जो राजमह में स्थित  
(और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त संपत्ति के प्रतिफल में, एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. (1) श्री नोरि वेंकटरघु

(2) नोरि श्रीनिवास टेलीविजन सेंटर मद्रास।  
(अन्तरक)

2. श्री पोलु सुबाम्मा (सुबाम्मा मंगलवारपुव्वाट्ट  
राजमंदिर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

काकीनाड रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षक अंत 15-12-  
79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 29073/79 में निगमित अनु-  
सूची संपत्ति।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन, रेंज, हवराबाद

तारीख: 11-8-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रा० गे० सी० नं० 1057—यतः मुने  
एस० गोविंदराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है जो राजमंद्पी में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाड में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन अन्तरण के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) जहाँ जहाँ उक्त या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या जिसका उक्त अधिनियम, 1957 में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति(यों) अर्थातः—

- |                                       |   |                               |
|---------------------------------------|---|-------------------------------|
| 1 (1) नोरि विस्वनाथम                  | } | आंध्र यूनिवर्सिटी<br>(अन्तरक) |
| (2) नोरि वेंकटाचल पतिराव              |   |                               |
| (3) नोरि शेवाद्रि शास्त्रि            |   |                               |
| वाल्देर                               |   |                               |
| 2 श्रीमती पोलू सब्बाम्मा मंगलवारपुपेट |   | राजमंद्पी।<br>(अन्तरिती)      |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

काकिनाड रजिस्ट्री अधिकारी के पांक्षक अंत 15-12-  
79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 29074/79 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविंदराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्र.स.आई.टी. एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आ.सं. ये० सी० नं० 1058—यतः मुझे,  
एस० गोविंदराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो राजमुन्द्री में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाड में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 7-12-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. (1) नोरि वेंकटेश्वर्ली, टेलीविजन सेंटर, मद्रास।  
(2) नोरि श्रीनिवास (अन्तरक)
2. श्री पोन्नू चिन वेंगलरेड्डि डोर नं० 9-25-26,  
राजमुन्द्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

काकिनाड रजिस्ट्री अधिकारी से पांशक अंत 15-12-  
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9098/79 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविंदराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980  
मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, खेदराबाद

खेदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 1059—यतः मुझे,  
एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो राजमुन्द्री में स्थित है  
(और इससे उपाध्व अनुसूची में आर पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाड में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 7-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि:—  
13-256 GI/80

1. (1) नोरि विश्वनाथम  
(2) नोरि बैकटचलपथिराव  
(3) नोरि शेवादी शास्त्री प्रोफेसर, आन्ध्रा  
यूनिवर्सिटी। बालटेर। (अन्तरक)

2. श्री पोनु बाल वेंगनरेड्डी, राजमुन्द्री, इन्डोसुपेट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

काकिनाड रजिस्ट्री अधिकारी की पांशक अंत 15-12-  
1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9097/79 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, खेदराबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1060—मतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विसाखापत्तनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, विसाखापत्तनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आकेल्ल सूर्यनारायनराव 27-4-48 विसाखापत्तनम। (अन्तरक)

2. मै० आन्ध्र प्रभा प्रायवेट लिमिटेड विजयवाडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 8926/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहर:

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1061—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो वंशगत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विसाखापटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अवसराल अवेकट अर्जुन रामाराव डि० 54 ए० डि० पि० ल० कालोनी हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती मृत्यम वेकट रमनि द्वारकानगर विसाखा-पटनम-16। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहस्तक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:— इसमें सूचित अर्जों की वृद्धि का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

वंशगत रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-12-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9169/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1062—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री घंटा बैकट शेख्या, डाबा गार्डन्स, विसाखापत्त नम्। (अन्तरक)

1. (1) श्री केसव देव शर्मा (2) प्रभातलाल शर्मा, (3) कामेश्वरलाल शर्मा, (4) मोहनलाल शर्मा, (5) रामनिवास शर्मा, (6) श्यामसुन्दर शर्मा, विसाखापत्तनम्। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

वैनाग रजिस्ट्री धिकाट्री से पाक्षिक अंत 15-12-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 9100/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

आर० ए० सी० नं० 1063—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो स्तबाले गरबु, गुटूर तालुक में स्थित है (कोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पि० साम्यूल, पातपट्टाभि पुरम गुटूर (पि० नवीन चन्द्र वेखर पातपट्टाभि पुरम, गुटूर (अन्तरक)

(2) आर. ए० मान्यु पातपट्टाभि पुरम, गुटूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षक अन्त 31-12-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6888/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाजिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० सी० नं० 222/80-81—प्रतः मुझे एम०  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्यार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 8-8-66 है, जो माकनमपार करिमनगर  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करिमनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 19 दिसम्बर 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० कोडलाराव (पिता आगम राव चिलवानया  
गांव सिरिसिल्ला तालुक करिमनगर (अन्तरक)

(2) श्री पि० माटलदर राव पिता नरसिंग राव  
मैकारम गांव, पेछापल्लि तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
क्रिये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 8-8-66 मरकारमपुर करिमनगर (विस्तार 395  
चतुरगज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेष नं० 5632/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करिमनगर में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 223/80-81—यतः मुझे  
ए० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6-3-73 है, जो जगत्याल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगत्याल  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री गौरिसेट्टि सामबा मूरती पिता रामलाल  
जगत्याल (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती टि० निरमला देवी पति टि० रामाराव  
बाबि टाकिस जगत्याल

(2) वि० अनसुया देवी पति डी० सुदर्शन रेड्डि  
अन्नापुरना टाकिस जगत्याल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिग जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 6-3-73 विस्तीर्ण 963 चतुर गज जगत्याल  
पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3831/79 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी जगत्याल में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 224/80-81—यतः मुझे  
एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानंदा स्ट्रीट  
नंदयाल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय नंदयाल  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बोगारापू पाण्ड्या पिता बोकयया नंदयाल  
टौन । करनूल जिला (अन्तरक)

(2) श्री बोगारापू सुब्बा गुरुवाय्या पिता पेडु  
गुरुवायया नंदयाल टौन करनूल जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

सावटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मै० नंदि रैस मिल नंदयाल रेलवे स्टेशन, नं० 13-462 से 465  
विवेकानंदा रोड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3917/  
79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नंदयाल में है ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-1980  
मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 225/80-81—यतः मुझे  
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानंद रोड  
नंदयाल में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नंदयाल में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री बोगारपू बेनूगोपाल चेट्टी पिता पापायया  
नंदयाल टाऊन (अन्तरक)

(2) श्री बोगारपू सुब्बा गुरूवयया पिता पेड्डा गुरूवयया  
नंदयाल टाऊन, करनूल जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

में नंदि रैस मिल नंदयाल रेल स्टेशन नजदिक में नं०  
13/462 से 465 विवेकानंदा रोड, नंदयाल में जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत बिलेब नं० 3919/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
नंदयाल में हैं।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निवेदन सं० आर० ए० सी० नं० 228/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4-2-1068/2, 3, 4, और 5 है, जो सुलतान बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम को गई है और मुझे यह विश्वास है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त. माया तथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बि० राजा मौकि पिता बि० रामचन्द्रायया  
4-1-912/3 तिलक रोड हैदराबाद  
(अन्तरक)

ट. श्री रतानसि प्रेम जी आ और दो 22-1-78/1  
तुरप भारमिनार हैदराबाद (श्रीमती मनी बेन आर० आ, पति आर० पि० आ श्री फूलकुमार रतानसी आ पिता आर० पि० आ०) दोनों एक ही मकान में है।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में स्थित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगोस नं० 4-2-1068/2, 3, 4, 5 सुलतान बाजार हैदराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7145/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

ए० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 225/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/462 से 465 है, जो विवेकानंद रोड नंदयाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नंदयाल में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14-256GI/80

(1) श्री बोगारपू वेनूगोपाल खेटी पिता पापायया नंदयाल टाऊन (अन्तरक)

(2) श्री बोगारपू सुब्बा गुरूवयया पिता पेड्डा गुरूवयया नंदयाल टाऊन, करनूल जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या एस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

में नं० नंवि रैस मिल नंदयाल रेल स्टेशन नजदिक में नं० 13/462 से 465 विवेकानंद रोड, नंदयाल में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3919/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नंदयाल में हैं।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 228/80-81—यतः  
मुझे एस० गोविन्द राजन,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 4-2-1068/2, 3, 4, और 5 है, जो  
सुलतान बाजार हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बि० राजा मौकि पिता बि० रामचन्द्रायया  
4-1-912/3 तिलक रोड हैवराबाद

(अन्तरक)

ट. श्री रतानसि प्रेम जी झा और दो 22-1-78/1  
तुरप चारमिनार हैवराबाद (श्रीमती मनी बेन आर० झा, पति  
आर० पि० झा श्री फूलकुमार रतानसी झा पिता आर० पि०  
झा०) दोनों एक ही मकान में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनरा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मलगोस नं० 4-2-1068/2, 3, 4, 5 सुलतान बाजार  
हैवराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7145/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद में है।

ए० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री हीरानन्द जी० भोजवानी जी० पी० ए०  
उत्तम नन्द पेंडरगास्ट रोड सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) जे० लक्ष्मन राव मारिवल्ली सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० आ० ए०सी० नं० 229/80-81—यतः मुझे  
एस० गोविन्द राजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 42 है, जो पेंडरगास्ट रोड  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;प्लॉट नं० 42 सर्वे नं० 156 से 159 पेंडरगास्ट रोड  
सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

तारीख 12-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एच० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 236/80-81—यतः

एम० गोविन्द राजन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए5/बी3, 1-7-234 सं० 241 है, जो एम० डि० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँगे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अरजुन राय मेहता पिता स्वतंत्रराय मेहता (2) अश्विन मेहता (3) अशोक मेहता पिता गणेशराय मेहता सुलतान बाजार हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमता नन्दकूरवाला, पति नरोत्तम ए. 5/3 वा चंद्रलोक बिल्डिंग्स लस डि० रोड सिकंदराबाद

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लान नं० ए० 5/बी 3 घर नं० 1-7-234 से 241 सरोजनी देवि रोड सिकंदराबाद में है जैसा कि रजिस्ट्रेशन धिलेख नं० 2882/70 रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी सिकंदराबाद में है।

एम० गोविन्द राजन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए०सी० नं० 229/80-81—यतः मुझे  
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वक संपादित जमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 42 है, जो पेंडरगास्ट रोड  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपानव अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1979

का प्लॉट-4 संपादित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपादित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री हीरानन्द बी० भोजवानी जी० पी० ए०  
उत्तम चन्द पेंडरगास्ट रोड सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) जे० लक्ष्मन राव मारिपल्ली सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 42 सबे नं० 156 से 159 पेंडरगास्ट रोड  
सिकन्दराबाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702/79  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 236/80-81—यतः

मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए5/बी3, 1-7-234 सं० 241 है, जो एस० डि० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अरजुन राय मेहता पिता नवनितलाल मेहता (2) अश्विन मेहता (3) अशोक मेहता पिता नवनितलाल मेहता सुलतान बाजार हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती नन्दकूरबाला, पति नरोत्तम ए 5/3 बी चंद्रलोक बिल्डिंग्स लस डि० रोड सिकंदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए० 5/बी 3 धर नं० 1-7-234 से 241 सरोजनी देवि रोड सिकंदराबाद में है जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता विलेख नं० 2882/70 रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी सिकंदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 237/80-81—यतः

मुझे एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे, नं० 104 है, जो ऐल्लारेड्डी गूडा  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिर्ष में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
15-256GI/80

(1) श्री ए० एम० बी० प्रसादराव (हेच यू० एफ०)  
पिता रामय्या घर नं० 8-2-601 रोड नं० 10 बंगाराहिल्स  
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) मैसर्स दि० कौसल्या कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
8-3-317/1 युसफगूडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद  
में दिया गया है

अनुसूची

कुल जमीन सर्वे सं० विस्तार 3 माकर ऐल्लारेड्डी गूडा  
हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2822/79 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश आ० ये० मी० नं० 232/80-81—यतः मुझे, एस०  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 है जो सितारामपुर गांव बीनेपल्ली  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बि० विनयोदर रेड्डि पिता फेट परुलारेड्डि  
हासमेट पेट रोड बीनेपल्ली सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

(2) श्री वि० पडमाशाली कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड टि० ए० वि० नं० 2 कवाडिगूडा हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जिराति जमीन सर्वे नं० 10/1 विस्तीर्ण 4840 चतुरगज  
सितारामपुर गांव बीनेपल्ली (सिकन्दराबाद में जैसे कि रजिस्ट्र-  
विलेख नं० 2691/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद  
में है ।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अगस्त, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० ये० सी० नं० 233/80-81—यतः मुझे एस०  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 है, जो सितारामपुर गांव  
बौनेपल्ली में स्थित है (और इसके उभावद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री बि० वि० वि०दीदरा रेड्डा पिता फेट परल्ला रेड्डा  
हसमत पेट रोड बौनेपल्ली सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री दि० पदमाशालि को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लिमिटेड कवाडिगूडा हैदराबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं० 10/1 विस्तीर्ण 4840 रुक्का० याड०  
सितारामपुर गांव बौनेपल्ली सिकन्दराबाद में जैसे कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2722/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14 अगस्त, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1980

आर० ए० सी० नं० 234/80-81—यतः मुझे एस०

गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/2 है, जो सितारामपुर गांव बौनेपल्ली, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, (सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बि० विजयोदर रेड्डी पिता लैट पल्लुता सिकन्दराबाद (2) श्री बि० राम० रामरेड्डी पिता श्री एम० रामरेड्डी पिता नरसिंहराड्डी मारेडाल्लो, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री दि० पटमाशाली को आपरेटिव हैसिंग सोसायटी लिमिटेड कबाडिगूडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं० 10/2 विस्तार 4840 चतुरस्र सितारामपुर गांव बौनेपल्ली, सिकन्दराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रार/कर्ता विलेख नं० 2761/79 रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14 अगस्त, 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 235/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसका सं० सर्वे नं० 10/2 है, जो सितारामपुर गांव बौनेपल्लो, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारत, य रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मलः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बि० विजयोतर रेड्डी पिता लेट बि० परलक रेड्डी बौनेपल्लो सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

(2) श्री बि० पडमबालो को अपारेंटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड कवाडिगाडा (हैदराबाद) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं० 10/2 विस्तार 4840 यतरगज सितारामपुर गांव बौनेपल्लो सिकन्दराबाद ; जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2900/79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद में हैं ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-8-80

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

## आशुलिपिक परीक्षा, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1980

सं० एफ 11/1/80-प० I (ख)—भारत के राजपत्र, दिनांक 27 सितम्बर, 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अग्रस्तत अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, झापास, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 15 मार्च, 1981 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जाती है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबंध रिक्रियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है:—

## (i) भारतीय विदेश सेवा (ख)—

## (आशुलिपिक उप-संघों का ग्रेड-II)

4 (जिसमें अनुसूचित जाति के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय स्टनोग्राफर सेवा ग्रेड ग (उक्त की चयन-सूची में सम्मिलित करने हेतु) . . . . . 4\*\*

(iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा— ग्रेड-ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए) . . . \*

(v) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा— ग्रेड-ग

(iv) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा संबंध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ब) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं 6\*\*

\*रिक्रियों सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रिक्रियों आरक्षित की जाएगी।

उपर्युक्त रिक्रियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। तीसरे पैरा-7 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट :—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों का केवल अंग्रेजी आशुलिपिक की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुमति दिया जाता है (द्रष्टव्य : नियमावली के परिशिष्ट I का पैरा 4)।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में ये स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छु है। उसे बताह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारी द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रूपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र आशुलिपिक परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। आशुलिपिक परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 24 नवम्बर, 1980 (24 नवम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 8 दिसम्बर, 1980) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाएगा स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 नवम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मिक्किम और जम्मू एवं काश्मीर के लद्दाख डिवीजन में रह रहा था।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग का रु० 12.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 3.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली में स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया को किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखाधीन में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो

1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है :-

भूतपूर्व सैनिक का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ की सशस्त्र सेनाओं (संघ की नौसेना, थल सेना या वायु सेना) में, जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सशस्त्र सेनाएं सम्मिलित हैं तथा आसाम राइफल्स, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और काश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रैंक (लड़ाकू या गैर-लड़ाकू) में शपथ ग्रहण करने के बाद 24 नवम्बर, 1980 को कम से कम छह मास की अवधि तक लगातार सेवा कर ली है और

- (i) जो कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थानांतरित होने से अन्यथा निर्मुक्त हुआ है, अथवा
- (ii) जिसे निर्मुक्त होने या रिजर्व में स्थानांतरित होने का हकदार बनने के लिए आवश्यक सेवावधि पूरी करने हेतु 24 नवम्बर, 1980 को 6 मास से कम सेवा करनी है।

9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 3.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी दावे की स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1980 में ली गई आशुलिपिक परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1980 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1981 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे

परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 1981 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

11. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सामान्य अंग्रेजी व सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना-विवरणिका के अनुबंध II का अवलोकन करें।

विनय झा, उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

### उपाखण्ड I

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित स्थान में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उससे आशुलिपि परीक्षणों के लिए अपने खर्च पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहाँ इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट :— उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख करना चाहिये, जिसमें वे निबन्ध तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का उत्तर देने

के इच्छुक हैं तथा आशुलिपि परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जायेगा और उक्त कालम परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जायेगा कि उक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर तथा आशुलिपि का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जायेगा।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में आकरिमक या वै.वि.व. दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या बार्ड स्थापित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हों, उन्हें यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्र को प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ जिनमें से एक प्रति आवेदन प्रपत्र पर चिपकी हो और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र के अभिप्रमाण/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

- (vi) वहाँ नागू हो वहाँ प्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि लिखिए नीचे पैरा 5 (ख) ।
- (vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न विधिवत भरा हुआ) ।

(viii) बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे (लगभग 11.5 से० मी० × 27.5 से० मी०) के जिन पर अपना पता लिखा हो ।

नोट — उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब

(ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों । जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आशुलिपिक परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1981 के जून मास में घोषित । किए जाने की सम्भावना है । उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे ।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं —

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए, रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर ।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर —“सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए ।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

16—256GI/80

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट —

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए ।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र — आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है तो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समक्ष आने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहाँ से मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर से दर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है । आयु का और कोई साक्ष्य जैसे जन्मपत्री, शपथ पत्र, नगर निगम का जन्म संबंधी उद्घरण आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं ।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूर्णवर्ष और महीने ही दिए होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के है मास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है । इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर से दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है । उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है ।

नोट 1:—जिम उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बात की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3:—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविन्द अन्तर-राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पॉलिटेक्निक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से पैरा 3(iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए और इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

नोट 4:—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थाई सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि इकट्ठा कर लेनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विध्वंसविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट 1—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और वह ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट 2—जिम उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र

की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा-परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 3—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री अरविन्द अन्तर-राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पॉलिटेक्निक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हैड मास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म दृष्टव्य पैरा 3(ii) का नोट 3 और उपर्युक्त नोट (3)। प्रमाणित किया जाता है

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी\*—  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री—  
इस विद्यालय की ————— कक्षा में  
जो कि हायर सेकेंडरी इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/  
श्री अरविन्द अन्तर राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर सेकेंडरी  
पाठ्यक्रम/दिल्ली पॉलिटेक्निक तकनीकी उच्चतर माध्यमिक  
विद्यालय के पाठ्यक्रम\* की परीक्षा में उत्तीर्ण हैं।

(2) इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई  
उनकी जन्म की तारीख —————  
है, इस तारीख की स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी  
के दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण\*  
से पुष्टि कर ली गई है।

तारीख —————  
हैडमास्टर/प्रिंसिपल\* के  
स्थान —————  
हस्ताक्षर  
(विद्यालय का नाम)

\*जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और (अन्य प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3(iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से

कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या ताम्बड़ अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से निम्नलिखित साक्ष्य उत्तरदायक प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए अनुरोध अत्रिहारी के रूप में सहमत किया हो नीचे दिए गए तार में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उक्त जिले के प्रमुख या निम्नलिखित जिले के उम्मीदवार प्राधिकारी से निम्नलिखित अन्य प्रमाणों से प्राप्त हो सकता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_

सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री \_\_\_\_\_

जो गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_

जिला/मंडल\* \_\_\_\_\_

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_

के/ही\* निवासी है \_\_\_\_\_

जति/जन जाति\* को हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित/जन\* जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश, 1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित।

और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां

आदेश, 1959,\* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_

और/या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_

जिला/मंडल\* \_\_\_\_\_ राज्य/

संघ\* राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_

में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

\*\*पदनाम \_\_\_\_\_

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर पर रहते/रहती\* हैं" शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति—प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सबडिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुका मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के आह्वे से कम नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐड्जुडेंटल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रैवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर अहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार आमतौर से रहता हो ।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेप्युटी सचिव अफसर लक्ष्मीप ।

5(क) नियम 6(ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले आशुलिपिकों (जिस में भाषा आशुलिपिक भी शामिल हैं)/क्लर्क/स्टेनोग्राफिस्टों को अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिये ।

\* (i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* —

के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र\* — का विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से नियुक्त आशुलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1980 को आशुलिपिक/क्लर्क/स्टेनोग्राफिस्ट/गि० डा० से सार्टर की हैसियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघलोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के परिणामों के आधार पर के० स० आ० से०/रे० बी० स० आ० से०/आई० एफ० एस० बी० आशुलिपिक उपसंवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा\* में नियुक्त नहीं हुए हैं ।

\* (ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*

के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र\* — का विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से क्लर्क/स्टेनोग्राफिस्ट/रेलवे डाक सेवा के सार्टर/आशुलिपिक के पद पर लगातार कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1981 को क्लर्क/स्टेनोग्राफिस्ट/रेलवे डाक सेवा के सार्टर/आशुलिपिक की हैसियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी । और वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे ।

दिनांक —

हस्ताक्षर —

संख्या —

पदनाम —

स्थान —

मंत्रालय/कार्यालय —

कार्यालय की मोहर —

\* जो लागू न हों उसे काट दें ।

(ख) (i) नियम 6(ग) (ii) या 6(ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
- (2) उक्त क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।
- (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आधुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

(ii) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या भारत आने वाला है ।

(iii) नियम 6(ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य, टंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है ।

(iv) नियम 6(ग) (vii) अथवा 6(ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।



(v) नियम 6(ग) (ix) अथवा 6(ग) (x) के अन्तर्गत आया सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले

प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

—के रैंक नं० —श्री

—रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उपर विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

दिनांक—

\*जो शब्द लागू न हो, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग) (xi) अथवा 6(ग) ( ) के अन्तर्गत आया सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा रक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 में भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने

वाला प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—रैंक नं०

—श्री —सीमा

सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

(vii) नियम 6(ग) (xiii) के अन्तर्गत आया में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(viii) उक्त नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वायु सेना/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप दिये गये सेवा मुबित प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये। इस प्रमाण पत्र में उसकी सशस्त्र सेना में सम्मिलित होने की वास्तविक तारीख तथा सेवा से निर्मुक्त या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की तारीख या निर्मुक्त या सशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की सम्भावित तारीख अवश्य लिखी हो।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख) (i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें, और न ही फेर-बदल किये गये झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे वो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र को पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिये।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है उन्हें (i) किताब महल, रिखौली मिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-100001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा।

14. आवेदन पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्रव्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाये तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाये।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें (i)—जिन पत्रों में यह ब्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान (ii):—यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/प्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें/उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

15. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करे। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 14 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र की जानी चाहिये आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## अनुबंध II

### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(केवल सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के लिए)

#### वस्तु परक परीक्षण :

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र वस्तु परक किष्म के वृद्ध विकल्प उत्तर के होंगे। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षण के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षण के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### परीक्षा का स्वरूप :

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3... के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c ...। क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अंत में दिये गये नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### उत्तर देने की विधि :

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षा पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक नियमावली के अंत में (नमूना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे पड़े होंगे।

परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही था सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले चुने हुए आयतन को पेंसिल में काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि नीचे के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयतन को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिए जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिलें (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ या सलवट आदि पड़ जाए और वह टेढ़ा हो जाए।

#### कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। यदि आप इन नियम का उल्लंघन करेंगे तो आपको कड़ा दंड मिलेगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम अपना रोल नंबर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ-साफ स्याही से लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई

प्रविष्टि भंडित है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उसके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक शार्पेनर, एक रबर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक विलप बोर्ड या हाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ न लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है। क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

#### कुछ उपयोगी सुझाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत किराया के साथ, उपयोग करें। संतुलन के साथ-साथ जितनी जल्दी भागे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उस पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें, और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। आप सभी प्रश्नांशों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही उत्तरों की संख्या के आधार पर अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

#### विशेष अनुदेश :

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जिसके मिलने पर, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खंभे में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील खोलने को न कहें तब तक आप उसे न खोलें।

#### परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द करें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका, उत्तर पत्रक तथा कच्चा कार्य करने के लिए कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

## 2. सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से किसी एक के द्वारा उप केन्द्रित समष्टि सिद्धांत विकसित हुआ है :—

- (a) गैलिलियो
- (b) टोलमी
- (c) न्यूटन
- (d) कोपरनिकस

2. निम्नलिखित में से कौन सा संयुक्त राष्ट्र संघ का अंग नहीं

- (a) सुरक्षा परिषद
- (b) न्यासिता परिषद्
- (c) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (d) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

3. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदाई नहीं है ?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे ।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ ।
- (c) उत्तर सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी ।

4. संसदीय स्वरूप की सरकार में :

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदाई है ।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदाई है ।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदाई है ।
- (d) न्यायपालिका के प्रति उत्तरदाई है ।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदाई है ।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011 the 7th August 1980

No. A.12019/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Km. K. Bandhyopadhyay, Research Assistant (Bengali) and Shri M. L. Varadpande, Research Assistant (Marathi) to officiate as Junior Research Officers (Languages) in the office of the Union Public Service Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from 5-8-80 or until further orders, whichever is earlier.

2. The above-mentioned persons should note that their appointment to the posts of Junior Research Officer (Languages) is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

S. BALACHANDRAN

Dy. Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 23rd August 1980

No. A-32014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional; temporary and *ad hoc* basis for the period mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name &amp; Period

1. Sh. Jatinder Lal w.e.f. 28-8-80 to 27-10-80.
2. Sh. T. R. Sharma w.e.f. 21-8-80 to 20-10-80.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer upon them any title for absorption in Grade B of the CSSS or for seniority in that grade. Further the *ad-hoc* appointment to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names are also subject to the approval of the Deptt. of Personnel & ARs.

The 25th August 1980

No. A-32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S.No. Name Period

1. Shri Joginder Singh 28-8-1980 to 27-10-1980.
2. Shri R. L. Thakur 21-8-1980 to 20-10-1980.

No. A.32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 27-11-79, 11-1-80, 1-2-80 and 2-6-80 the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Select on grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad-hoc* basis for a further period of three months w.e.f. 3rd July, 1980 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,

Dy. Secy.

Incharge of Administration.  
Union Public Service Commission

17—256GI/80

ENFORCEMENT DIRECTORATE  
FOREIGN EXCHANGE REGULATION  
ACT

No. A-11/11/80.—The following Assistant Enforcement officers have been appointed to officiate as Enforcement Officers with effect from the dates of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :—

S. No.	Name	Place of Posting	Date of assumption of charge
1.	Shri T. C. Mendiratta	Delhi Zone	5-5-80 (FN)
2.	Shri S. K. Barik	Jaipur	16-6-80 (FN)
3.	Shri S. N. Chatterjee	Jaipur	16-6-80 (FN)
4.	Shri P. B. Thakur	Bombay	7-5-80 (FN)
5.	Shri S. K. Chandorker	Bombay	7-5-80 (FN)
6.	Shri Mohinder Singh	Srinagar	29-5-80 (FN)
7.	Shri A. K. Sharma	Delhi Zone	3-5-80 (FN)

D. C. MANDAL

Deputy Director (Admn.)

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th September 1980

No. 10RCT 2.—The Director, Central Vigilance Commission hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 30-8-80 to 27-11-80 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA  
Under Secretary (Admn.)  
For Director

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 011, the 6th September 1980

No. PF/S-98/65-Ad-V.—The services of Shri S. Sen, Superintendent of Police Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of the Government of Sikkim with effect from the afternoon of 31st May, 1980, on deputation.

Q. I. GROVER  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th September 1980

## CORRIGENDUM

No. 11/1/80 Ad.I.—The name of the officer in this office Notification of even number dated 6-8-1980 may be read as "Shri T. K. Bala Krishnan Nambiar" instead of "Shri J. K. Bala Krishnan Nambier" as appeared therein.

K. C. SETH  
Deputy Director

## MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQrs. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

No. 20/80/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri Sunil Kumar Sengupta Subst. & Permt.

Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-8-80 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 22nd August, 1980

No. 53/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officer as Offg. Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri G. R. Narasimhan, Offg. GM(SG)/Level-I—10th July, 1980.
2. Shri G.D. Bhalla, Offg. GM(SG)/Level-I—22nd July, 1980.

No. 54/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Sr. DADGOF/Manager with effect from the date shown against them until further orders :—

- |                                     |                  |
|-------------------------------------|------------------|
| 1. Shri M. Singaram, Pt. D.M.       | 1st April, 1980  |
| 2. Shri G. Khera, Pt. D.M.          | 1st April, 1980  |
| 3. Shri A. K. Banerjee, Pt. DADG    | 1st April, 1980  |
| 4. Shri D. A. Srinivasan, Pt. D.M.  | 1st April, 1980  |
| 5. Shri R. S. Yadav, Pt. D.M.       | 1st April, 1980  |
| 6. Shri S. B. Shunmugaraj, Pt. D.M. | 28th April 1980  |
| 7. Shri A. K. Mathur, Pt. D.M.      | 29th April, 1980 |
| 8. Shri J. R. Kalia, Pt. D.M.       | 1st April, 1980  |
| 9. Shri T. R. Mohan Rao, Pt. D.M.   | 15th May, 1980   |
| 10. Shri V. Kumaraswamy, Pt. D.M.   | 15th May, 1980   |
| 11. Shri K. V. C. Neir, Pt. D.M.    | 16th June, 1980  |
| 12. Shri S. B. Dutta, Pt. DADG      | 16th June, 1980  |
| 13. Shri A. Sanyal, Pt. D.M.        | 16th June, 1980  |
| 14. Shri Joginder Singh, Pt. D.M.   | 16th June, 1980  |
| 15. Shri K. Rao Choudhury, Pt. D.M. | 1st April, 1980  |

No. 55/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as offg. TSO/Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

- |  |               |
|--|---------------|
| 1. Shri N.K. Neogi, Pt. Foreman        | 2nd May, 1980 |
| 2. Shri Aloke Kr. Ghosh, Offg. F.Man   | 6th May, 1980 |
| 3. Shri D.K. Mitra, Pt. Foreman        | 1st May, 1980 |
| 4. Shri N. Basu, Pt. Foreman           | 1st May, 1980 |
| 5. Shri K. S. Viswanathan, Offg. F.Man | 2nd May, 1980 |
| 6. Shri R. V. Vaideeswaran, Offg. F.M. | 1st May, 1980 |
| 7. Shri K. J. Godfrey, Offg. Foreman   | 1st May, 1980 |
| 8. Shri M. K. Bhaskaran, Offg. Foreman | 2nd May, 1980 |

The 2nd September 1980

No. 57/G/80—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of TSO/Asstt. Manager with effect from the date shown against each :—

Smt. Sashi Chaturvedi, Offg. D.M.—9th May, 1977.

Shri J. P. Shukla, Offg. D. M. (Retd)---1st Jan, 1976.

V. K. MEHTA  
Asstt. Director General Ordnance Factories.

### MINISTRY OF FINANCE

INDIA GOVERNMENT MINT, ALIPORE,  
CALCUTTA-700 088

Calcutta-700088, the September 1980

"Memo No.. P-526/6202 dated 2-6-1978.—In pursuance of the terms and conditions in the appointment letter no : 1313-3(S.S.O.)/2858 dated 23-2-77, I, Shri G. R. Kahate, Master of the Mint, hereby give notice to Shri Haridyal Bhowmick (S.S.O. of this Mint) that his service shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or as the case may be, tendered to him".

"Certified true copy"

Sd/- G. R. KAHATE  
Master of the Mint.  
India Government Mint,  
Alipore, Calcutta-53.

Sd/- H. N. GUPTA  
Master of the Mint,  
India Government Mint,  
Alipore. Calcutta-88.

### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 6th September 1980

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/594/60-Admn(G)/5359.—On attaining the age of superannuation Shri J. E. Shaikh relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, on the afternoon of the 31-7-1980.

No. 6/1206/77-Admn(G)/5362.—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Bali, an officer of the Section Officer's grade of the C.S.S. relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31-7-1980.

P. C. BHATNAGAR  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports and Exports

### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th August 1980

No. A-12025(i)/1/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon, of the 22nd May, 1980 and until further orders Shri Om Prakash as Senior Lecturer in Textile Technology in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 23rd June, 1980 and until further orders Shri Viswanathan Rajendran as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre Kancheepuram.

The 29th August 1980

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shri P. Narayanan, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Bombay in an officiating capacity with effect from 20th August, 1980, until further orders.

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shri S. K. Mitra, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Varanasi in an officiating capacity with effect from the 20th August, 1980, until further orders.

No. A-32014/1/80-Admn.II(A).—The Development Commissioner for Handlooms hereby appoints Shri R. R. Reddy, a permanent Superintendent in the Weavers Service Centre as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Madras in an officiating capacity with effect from 20th August, 1980, until further orders.

N. P. SESHADRI  
Joint Development Commissioner for Handlooms

#### DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 3rd September 1980

No. A-6/247(226)/76.—Shri H. Ananthapadmanabhulu, permanent Asstt. Inspecting Officer (Met-Chem) and officiating as Dy. Director of Inspection (Met-Chem) (Grade II of Indian Inspection Service, Metallurgical Chemical Branch) Group 'A' in the office of Director of Inspection (Met) Jamshedpur retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation.

(ADM. SECTION A-1)

The 4th September 1980

No. A-1/1(1144)/79.—Shri Paul Xavier, officiating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th August 1980

No. 3/124/60-SII(Vol.II).—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. R. Sarkar, Accountant, All India Radio, Agartala to officiate as Administrative Officer on *ad hoc* basis, All India Radio, Agartala with effect from 6-8-80.

The 30th August 1980

No. 3/22/62-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. K. Sharma, Accountant, AIR, All India Radio, Jullundur to officiate as Administrative Officer on *ad hoc* basis All India Radio Jullundur with effect from 22-8-80 (F.N.).

S. V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
For Director General.

New Delhi, the 30th August 1980

No. 10/37/79-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. Venkateswar Reddy as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Hyderabad in temporary capacity with effect from the forenoon of 23-7-80 until further orders.

H. N. BISWAS  
Deputy Director of Administration  
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th September 1980

No. A.12026/21/80(HQ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Chail,

Senior Architectural Assistant, Directorate General of Health Services to the post of Assistant Architect in the same Directorate on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 21st July, 1980 until further orders.

The 5th September 1980

No. 17-17/74-Admn.I (Part II).—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. S. R. Mehta, Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi from Government Service with effect from the afternoon of the 8th August, 1980.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 5th September 1980

No. A.19011/2/80-SI.—The President is pleased to appoint Shri Prem Chandra in the post of Factory Manager Government Medical Store Depot Bombay with effect from the forenoon of 16th August 1980 on a temporary basis and until further orders.

SHIV DAYAL  
Deputy Director Administration (Stores)

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 27th August 1980

No. K/586/Estt.II/4178.—Consequent on his transfer to Civil Engineering Division, Department of Atomic Energy, Shri S. K. Kapur, a permanent Assistant Personnel Officer relinquished charge of his post in this Research Centre on the forenoon of August 4, 1980.

The 29th August 1980

Ref:5/1/80-Estt.II/4236.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad hoc* basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri J. R. Karnik Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	1-5-80 (FN)	7-6-80 (AN)
2.	Shri S. K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	17-4-80 (FN)	12-5-80 (FN)
3.	Shri K. S. Vachhani Assistant	Asstt. Personnel Officer	1-5-80 (FN)	7-6-80 (AN)
4.	Shri J. V. Naik Assistant	Asstt. Personnel Officer	17-4-80 (FN)	13-6-80 (AN)
5.	Shri P. B. Karandikar Assistant	Asstt. Personnel Officer	14-4-80 (FN)	23-5-80 (AN)
6.	Shri M. N. Lotlikar Assistant	Asstt. Personnel Officer	28-4-80 (FN)	7-6-80 (AN)

1	2	3	4	5
7.	Shri L.B. Gawde Assistant	Asstt. Per- sonnel Officer	4-6-80 (FN)	11-7-80 (AN)
8.	Shri P. V. Deshpande Assistant	Asstt. Per- sonnel Officer	1-5-80 (FN)	31-7-80 (AN)
9.	Shri S.R. Pinge Selection Grade Clerk	Asstt. Per- sonnel Officer	9-6-80 (FN)	11-7-80 (AN)
KUM. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer				

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 27th August 1980

No. DPS.A11013.45.76.Est/14998.—On transfer from Power Projects Engineering Division, Bombay, Shri Reuben Philip de Souza, a permanent Assistant, and officiating Assistant Personnel Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy in the same capacity with effect from the forenoon of August 18, 1980 and until further orders.

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 2nd September 1980

No. AMD-8/7/80-Rectt.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Ekambaram, Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 7-7-1980 to 11-8-80 vice Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer proceeded on training.

The 3rd September 1980

No. AMD-8/1/80-Rectt.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 16-8-1980 to 20-9-1980, vice Shri R. Subramanian, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO:TAPP(401 504), the 30th August 1980

No. TAPS/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri J. P. Khandelwal, a temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on *ad-hoc* basis in the same station with effect from the forenoon of June 7, 1980 and upto July 8, 1980 vice Shri K. Gopal, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III on *ad-hoc* basis.

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—In supersession of Notification dated 18-4-1980, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri

J. P. Khandelwal as temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II on *ad-hoc* basis with effect from 11-4-1980 to 29-5-1980 (FN).

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—In supersession of Notification dated April 18, 1980, The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on *ad-hoc* basis from 11-4-1980 to 29-5-1980 (FN).

No. TAPS/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on *ad-hoc* basis in the same station with effect from the forenoon of June 7, 1980 and upto July 8, 1980 vice Shri J. P. Khandelwal, Asstt. Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II on *ad-hoc* basis.

D. V. MARKALE  
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi the 5th September 1980

No. A.32013/7/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Chandra, Regional Controller of Aerodromes, Delhi to the post of Regional Director, Bombay in the Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis w.e.f. 16-8-80 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 5th September 1980

No. 1—The following officers are hereby appointed to officiate as District opium officer/Superintendent (Executive) Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each :—

S. No.	Name & designation	Date from which appointed
	S/Shri	
1.	Rajendra Pal Superintendent (Executive), Deputy Narcotics Commissioner's Office, Lucknow.	30-6-80
2.	S.B. Singh, District Opium Officer, Ratlam,	28-6-80
3.	S.R. Tanwar, District Opium Officer, Jhalawar,	18-8-80
4.	D.R. Pipal Superintendent (Executive), Deputy Narcotics Commissioner's Office, Neemuch.	16-6-80

M. M. BHATNAGAR  
Narcotics Commissioner of India



MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Dayalbagh Construction Company Private Limited (In Liqn)"*

Kanpur, the 1st September 1980

No. 8887/1132 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Dayalbagh Construction Company Private Limited (In Liqn) has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Bareilly Bank Limited"*

Kanpur, the 1st September 1980

No. 9083/139-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bareilly Bank Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Unnao Commercial Bank Limited."*

Kanpur, the 3rd September 1980

No. 9083/139-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Unnao Commercial Bank Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Dayalbagh Provision Stores Private Limited (In Liqn.)"*

Kanpur, the 4th September 1980

No. 9103/1125-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956 the name of the Dayalbagh Provision Stores Pvt. Ltd. (In Liqn.) has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA  
Registrar of Companies, U.P.,  
Kanpur

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s North East Mirror Publication Private Limited"*

Shillong, the 1st September 1980

No. 1648/560(5)1904.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s North East Mirror Publication Private Limited has this day been struck off the Registrar and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE  
Registrar of Companies,  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

Lucknow, the 2nd August 1980

No. 99/78/Tech.—In pursuance of sub-section (5) of section 226 and section 229 of Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Incometax, Lucknow hereby authorise the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, (Assessment) subordinate to me to recover from an assessee the tax, interest, fine, penalty or any other sum payable under the provisions of the said Act by the said assessee by distraint and sale of his movable property, in the manner laid down in the Third Schedule to the said Income-tax Act, 1961.

DHARNI DHAR  
Commissioner of Incometax  
Lucknow

## FORM ITNS—

(1) Shri Kishori Lal Vatsa

(Transferee)

(2) Shri Dr. Shiv Prabha Baiswar

(Transferor)

(3) Above transferor

(Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th May 1980

Ref. No. GIR No. S-189/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-1, Mahanagar Extension situated at P. S. Mahanagar, Lucknow,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. B-1, situated at Mahanagar Extension, P. S. Mahanagar, Lucknow, lease hold measuring 1280 sq. ft. (9 Biswa, 8 Biswansi 3 Kachwansi) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7429 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-12-1979.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Maharani Surity Tagore Trustee Tagore Raj  
Banaras Debottar Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Hotel Clark's Varanasi (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1980

Ref. No. GIR No.135/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, H. No. old 35/55 (New S.20/54) situated at The Mall, Varanasi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 26-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All those brick built messuage tenement or dwelling houses now called or known as "Clarks' Hotel" comprising building (except the portions of the buildings constructed and owned by the lessees) as existed on 25-7-1961 together with the land thereunto belonging and on part whereof the same are erected or built, containing by estimation three bigha and fifteen biswas together with all fixtures and other appurtenances thereunto belonging or pertaining or therewith usually held, used and occupied or engaged or reputed as part and parcel of or appurtenant thereto, situated lying at end being in Mall Road in the City of Varanasi and consisting in accordance with revenue records (Plot No. 7) in Mauza-BARAGAON II Pargana-Dehat Aamanat, Thana-Varanasi Cantt., Varanasi and bearing the Municipal No. (old 35/55) (New S-20-54) and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 12285 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 26-12-1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1980.  
Seal ;

## FORM ITNS

- (1) Smt. Surjit Kaur  
(2) Smt. Surendra Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1980

Ref. No. T-21/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi No. 75/3 and 75/4 area 0.73½ Decimals situated at Village-Kodopur, Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramnagar, Varanasi on 22-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (1) Thakur Prasad (2) Mukti Nath  
(3) Uma Shanker Prasad (4) Nirmal Kumar  
(5) Shesh Nath & (6) Arun Kumar Owner.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Arazi No. 75/4 area 6½ decimal and No. 75/3 area 67 decimal total area 73½ decimals situate at Mauza-KODOPUR PARGANA-RAMNAGAR, Distt. VARANASI and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37-G No. 879 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar-Ramnagar, Varanasi, on 22-2-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Mani Ram Pandya through Vasant Ram  
Nagar (Mukhtar)  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bindeshwari Devi  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1980

Ref. No. GIR No.H-90/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. (old) and 16 (New), Tripolia, situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—256GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed House No. 12 old (16-New), situate at Mohaila-Tripolia, Allahabad, area 282.59 sq. mtrs. and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 5338 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-12-1979.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M/s Jagat Jeet Cotton Textiles Mills Ltd.,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. (1) Lalit Devi  
(2) Dr. Kripa Shankar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(3) Sellera  
(persons in occupation of the property)

Lucknow, the 26th August 1980

Ref. No. GIR No. L-31/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-13/93, Building and Land situated at Mohalla Chauka Ghat, Ward Jaipur, Varanasi City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of premises (building and land) No. J-13/93, situate at Mohalla-Chauka Ghat, Ward-Jaipura, Varanasi, and all that description of the property which has been mentioned in Form 37G No. 11474 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 6-12-1979.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 26-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri (1) Rajkumar Mehra  
(2) Deepak Mehra (3) Dinesh Mehra

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st September 1980

Ref. No. GIR No.I-12/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Gher (Compound) situated at Mauzu-Majhola, Parg. Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Moradabad on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri (1) Ishwar Chandra Agarwal  
(2) Nirmal Kumar Agarwal  
(3) Vijai Kumar Todi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Gher compound with a gate including land measuring 2129.48 sq. metres situate at mauza-MAJHOLA, Pargana and Distt. MORADABAD and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 5/1980 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 31-12-1979.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1980

Ref. No. P. R. No. 961 Acq.23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City S. Wd. No. 7, Nondh No. 117 & 118 situated at Opp. Surat Railway Station, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |  |
|--|--|
| (1) Shri Mansukhlal Chunni Lal;<br>Shri Sashikant Mansukhlal;<br>Shri Manharlal Mansukhlal;<br>Shri Hasmukhlal Mansukhlal<br>Shri Rajendra Mansukhlal;<br>Shri Dineshchandra Mansukhlal<br>Shri Pranjivandas Nanabhai;<br>Shri Pranjivandas Nanabhai;<br>Shri Puspkant Nanabhai;<br>Shri Sureshchandra Nanabhai;<br>Shri Sureshchandra Nanabhai;<br>Shri Rameshchandra Nanabhai; | } Ambhaji Road,<br>Chanchva Sheri,<br>Surat.<br><br>} Parsivad, Rani<br>; Talav,<br>Surat.<br><br>(Transferor) |
| (2) Shri Rati Lal Narottamdas;<br>H. No. 4/4175, Begampura,<br>Brahman Sheri, Surat.   | (Transferee)   |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 117 and 118, Opp. Surat Railway Station, Wd. No. 7, Surat duly registered on 4-12-79 and 27-12-79 vide No. 5175 and 5207 at Surat.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 31-7-1980  
Seal :



**FORM ITNS**

(1) Chairman & Managing Director Shri Ramesh Harendra  
lal Ashot, Director Shri Tushar Harendralal Ashot,  
Mangalwadi, Varchha Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Eskay Synthetic Textile Mills;  
Old Hanuman Gali, Bombay.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1980

Ref. No. P. R. No. 960 Acq. 23/II/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Survey No. 6, Village Kapadra Tal. Choryasi situated at  
Kapdara, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Kapadara village Varachha Road,  
Surat bearing R. S. No. 6, Kapadara village, Surat duly regis-  
tration 13-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1098 Acq. 23/Acq/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 268 situated at Ghatlodiya Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on December, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gandadal Madhavlal Patel & others; 38, Chaitanya Society, Navrangpura, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Vasoya Park Coop. Housing Society, Hon. Secretary: Shri S. C. Naik, L-5, B-20, Flat No. 62/, Shastrinagar Colony, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 268, land adm. 13189 sq. yds. situated at Ghatlodiya Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 13348/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref No. P. R. No. 1099 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Street No. 26, Chart No. 228 Sheet No. 3 Chart No. 1 situated at Fulwadi Road, Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhaganlal Kanjibhai Chhotanbar; Bavabari; Motibazar, Gondal, Rajkot. (Transferor)
- (2) 1. Shri Mathuradas Ramajibhai;  
2. Shrimati Kusumgaury Mathuradas;  
3. Shri Jatinkumar Mathuradas;  
Harerama Harekrishna Printing Works;  
Fulwadi, Jetpur. (Transferee)
- (3) 1. Shri Harshakumar Harilal;  
2. Dwarkadish Textile Printing;  
Fulwadi, Jetpur. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 1979-4-0 sq. yds. bearing City Sur. No. Street No. 26, Chart No. 228, Sheet No. 35, Chart No. 1, at Fulwadi, Road, Jetpur and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1628 dated 17-12-79.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1100 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Near S. T. Bus Stand, bldg. with land and well situated at Near S. T. Bus stand, Gathada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Botad on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ramniklal Gulabchand & Co through partners:

1. Shri Ramniklal Gulabchand;
2. Shri Khushalchand Gulabchand Shah;
3. Chandangauri Shantilal Deliwala;
4. Dalsukhbhai Ambashanker Rawal;
5. Kalavati Jayantilal Deliwala;
6. Navalchand Somchand Shah;
7. Shah Amichand Manekchand;

Gathada, Taluka Botad, Dist. Bhavnagar.

(Transferors)

(2) Saurashtra Gandhiji Gramodhar Trust;  
Opp. Railway Station, Gathada, Taluka Botad,  
Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 5808 sq. yds. situated near S. T. Bus Stand, Gathada and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 893 dated 26-12-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1101 Acq. 23/Acq.I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS. No. 2565-1-B-Kalupur Wd. III-B situated at Vrandavan Shopping Centre, Pankore Naka, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :—

19—256GI/80

- (1) Prabhawatiben Chinubhai;  
(2) Shri Rajiv Chinubhai;  
Both at Shahibag, Ahmedabad. (Transferors)
- (2) Shri Rasiklal Parshottamdas;  
'Parshottam Chambers, Ratanpole,  
Hathikhana, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 22 at Ground Floor of Vrandavan Shopping Centre, Pankore Naka, Ahmedabad bearing C. S. No. 2565-1-B-sq. ft. area 268.66—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 3164-65/December, 1979 i. e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date :29-7-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1102 Acq. 23/T/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS No. 2565-1-B-Kalupur Ward III, Census No. 2565-1-B situated at Vrandavan Shopping Centre, Pankorenaka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jasudben Ramachandra;  
12. Kalavihar Society, Khanpur,  
Opp. Lal Bungalow, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Jayantilal Maneklal;  
Hajapatel's Pole, Amtha Gujar's Khadki;  
Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 19 at ground floor of Vrandavan Shopping Centre Pankore Naka, Ahmedabad bearing C. S. No. 2565-1-B-Census No. 2565-1-B duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 12889/12-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1103 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS No. 2565-1-B paiki Kalupur Ward-3, situated at Vrandavan Shopping Centre, Shop No. 56 Pankore Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharatkumar Maneklal Shah;  
Divya Jyoti", Near Swastik Society,  
Near Xavier's Ladies College Lane,  
Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Shri Narendrabhai Kantilal Shah;  
M-8, Sujata Flat, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. E-2—New No. 56, situated at Vrandavan Shopping Centre—Kalupur Ward-3-B C. S. No. 2565-1-B paiki at Pankore Naka, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12464/12-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1104 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS. No. 2565-1-B paiki—Kalupur Wd. 3 situated at Vrandavan Shopping Centre, Shop No. 28/1, Pankore Naka, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prabhawatiiben Chinubhai;  
2. Rajiv Chinubhai;  
both at Shahibaug, Ahmedabad (Transferor)
- (2) Mahesh Chelaram Mohanyani;  
7/B, Deluxe Apartment, Old Sharda Mandir,  
Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 28/1 situated at Vrandavan Shopping Centre—Kalupur Ward-3-B C. S. No. 2565-1-B paiki at Pankore Naka Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 3142/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1105 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, CS. No. 2832-Nagarpulika Limit situated at Surendranagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 123A, situated at Motilal Nehru Road, Calcutta-29. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harishchandra Somnath Karia;  
Behind Chhabila Hanuman,  
Surendranagar.

(Transferor)

- (2) Shri Chaturbhai Tribhewandas Variani;  
Madhavnagar, Behind Chhabila Hanuman,  
Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 327.7 sq. yds. bearing C. S. No. 2832 situated at Surendranagar duly registered by Registering Authority, Wadhwan vide sale deed No. 2962/6-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1106 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 142-B, T. P. S. 3 Flat situated at "Chitra-Ami" Flats, Opp. Reserve Bank of India, Ashram Rd., Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) in the office of the registering officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prabhudas Jagjivandas Jadia;  
Swaminarayan Mandir Road,  
Opp. Devshah's Pada, Kalupur,  
Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Shri Chandrakant Tribhovanadas Hindocha;  
"Chitra Ami" Flats Flat No. 44, 4th Floor  
Opp. Reserve Bank of India, Ashram Road,  
Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 44 on 4th Floor of "Chitra-Ami" Flats, situated Opp. Reserve Bank of India, Ashram Road, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 7618/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHIRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1107 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2255—Kalapur Wd. No. 2, situated at Dhanasutar's Pole, Opp. Chokhawatiya's Pole, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamlaben widow of Manubhai Chamanlal Shah;  
Dhana Sutar's Pole, Opp. Chokhawatiya's Pole,  
Kalapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Punamchand Gandhi;  
Dana Sutar's Pole, Opp. Chokhawatiya's Pole,  
Kalapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land sq. yds. 52—bearing S. No. 2255 situated at Dhanasutar's Pole, Opp. to Chokhawatiya's Pole, Kalapur, Ahmedabad duly registered by Registering authority, Ahmedabad vide sale deed No. 9442/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1108 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ahmedabadbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingC. T. S. No. 3787 (Whole) No. 3792 (Part) Plot No. 33  
(Whole) Plot No. 34 (Part) situated at S. No. 16 of Sahij-  
pur Bogha Taluka, Kubernagar, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
at Ahmedabad  
on 28-12-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Smt. Methibai widow of Sheth Bhawandas Tapan-  
das Awatani,  
Sorabji Compound, Old Wadej, Ahmedabad-13.  
(Transferor)(2) Shri Bhagiram Lilaram Ramani  
Opp. Terminus of Bus Route No. 129,  
Bungalow Area, Kubernagar, Ahmedabad.  
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 1253 sq. mts, bearing  
C. T. S. No. 3792 (Whole) No. 3792 (Part) No. 33 (Whole)  
Plot No. 34 (Part) of S. No. 16 of Sahajpur Bogha Taluka  
situated at Kubernagar duly registered by Registering Officer,  
Ahmedabad vide sale-deed No. 14084/28-12-79 i.e. property  
as fully described therein.S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1109 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,

being the competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 323-2, situated at Village: Vejalpur, Dist. Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Ahmedabad  
on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
20—256GI/80

(1) Shri Shankerji Jagajit Solanki,  
Village Vejalpur, Thakorwas,  
Dist. Ahmedabad-51.

(Transferor)

(2) Kameshwarpark Coop. Housing Society Ltd.,  
through: Chairman: Shri Mafatlal A. Patel; Sunder  
nagar, 3-54, Naranpura Char Rasta,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3146 sq. yds. bearing S. No. 323-2,  
situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad-51, duly register-  
ed by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No.  
14116/28-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1110 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 8 paiki T. P. S. 18 situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad

on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation;  
through Managing Partner Shri Babubhai Dashrathbhai, Patel, 111  
Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.  
Sarangpur, Ahmedabad. (Transferee)
- (2) Shri Shah Mansukhlal Manilal;  
C/o. Dashrathlal Chimanlal  
Cloth Market, Shop No. 7, Near Meghdut Hotel,  
Outside Raipur Gate,  
Ahmedabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, O/s. Raipur Gate, Ahmedabad-TPS. 18 E. P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13200/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref No. P. R. No. 1111 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 8 paiki T. P. S. 18 situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation;  
through Managing Partner Shri Babubhai Dashrath-  
bhai Patel, 111, Sarikwad,  
Sarangpur, Ahmedabad  
(Transferee)
- (2) Shri Bansilal Shantilal;  
C/o. Dashrathlal Chimanlal Cloth Market  
Shop No. 8, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur  
Gate, Ahmedabad.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8 of D. C. C. Market, situated at Meghdut Hotel of Raipur Gate, Ahmedabad TPS, 18—F. P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 14119/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1112 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP. No. 8 paiki T.P.S. 18, situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation,  
through : Managing Partner,  
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel,  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Giriraj & Sons,  
Prop. Ganeshmal Modiram,  
Shop No. 5, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market,  
Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate,  
Ahmedabad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5 of D.C. Market, situated at Meghdut Hotel Outside Raipur Gate, Ahmedabad-TPS. 18 F.P. No. 8-paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 14118/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 29-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1113 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,  
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingFP No. 8 paiki T.P.S. 18,  
situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
atAhmedabad on December, 1979 for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation,  
through : Managing Partner.  
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel.  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Bavchandbhai Premjibhai.  
Shop No. 13, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market,  
Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate.  
Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
the Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 13 of D.C.C. Market, situated near Meghdut  
Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-FP. No. 8-paiki  
duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale  
deed No. 14117/Dec., 1979 i.e. property as fully described  
therein.

S. N. MANDAL  
Competent, Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1114 Acq. 23/I/80181.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 8 paiki T.P.S. 18, situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation, through : Managing Partner, Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Ambica Cloth Traders, through partner, Shri Baldevbhai Gopaldas, Shop No. 25, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 25, of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-FP. No. 8-paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13956/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1115 Acq. 23/7/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 8 paiki T.P.S. 18,

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation,  
through : Managing Partner,  
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel,  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Chunilal Bhagwanji & Sons,  
Shop No. 10,  
Dashrathlal Chimanlal Cloth Market,  
Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate,  
Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 10 of D.C.C. Market, situated near Meghdut Hotel, Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-FP. No. 8-paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13957/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1116 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under-Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP. No. 8 paiki T.P.S. 18, situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation,  
through : Managing Partner,  
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel,  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Shah Dungenchand Kapurchand,  
Shop No. 21,  
Dashrathlal Chimanlal Cloth Market,  
Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate,  
Ahmedabad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 21 of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS. 18-F.P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13969/Dec., 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 29-7-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1117 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I  
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

F.P. No. 8 paiki TPS.18

situated at Sher Kotda—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
21—256GI/80

(1) M/s. Mathuresh Corporation: through: Managing  
Partner; Shri Babubhai Dashrathbhai Patel;  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Mulchandbhai Harakhchand; Shop No. 4, Dash-  
rathlal Chimanlal Cloth Market; Near Meghdut  
Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4 of D.C.C. Market, situated at Meghdut Hotel,  
Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS.18—F.P. No. 8 paiki  
—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide  
sale-deed No. 13955/Dec., 1979 i.e. property as fully  
described therein.

S. N. MANDAL.  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1118 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 8, paiki TPS.18 situated at Sher Kotda Near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation; through : Managing Partner; Shri Babubhai Dashrathbai Patel; 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Eachrajdevi Mangilal Kothari; Shop No. 22, Dashrathbhai Chimanlal Cloth Market; Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 22 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad TPS.18, F.P. No. 8 paiki—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 13954/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1119 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 8 paiki T.P.S. 18 situated at Sher Kotda near Meghdut Hotel, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation; through : Managing Partner: Shri Babubhai Dashrathbhai Patel, 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) R. Khodidas's Company, Shop No. 13, Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market, situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad —TPS.18, F.P. No. 8 paiki duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 13192/December, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1120 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I  
S. N. MANDAL  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

FP. No. 8, paiki T.P.S. 18  
situated Sherkotda—near Meghdut Hotel, Ahmedabad  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Ahmedabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Mathuresh Corporation; through : Managing  
Partner; Shri Babubhai Dashrathbhai Patel,  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Lalitkumar Brijkishore; Shop No. 12, Dashrathlal  
Chimanlal Cloth Market, Near Meghdut Hotel,  
Outside Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 12 of Dashrathlal Chimanlal Cloth Market,  
situated at Meghdut Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmed-  
abad—TPS. 18—F.P. No. 8 paiki duly registered by Register-  
ing Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 13198/Decem-  
ber, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 29-7-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Hemanshu Parshotamdas Vakharia; Gondal Road,  
Chandan Vila, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Dahyabhai Shivabhai Akabari;  
2. Shri Gokaldas Shivabhai Akabari;  
3. Shri Jamnadas Shivabhai Akabari;  
Kalavad, (Shitala) Grain Market Road, Rajkot.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1980

Ref. No. P.R. No. 1121 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the competent authority under Section 269 B of the  
Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. S. No. 402—Plot No. 27 situated at Umakant  
Udhyognagar, Rajkot.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Rajkot on 15-12-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or the assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 1605 sq. yds. bearing  
S. No. 402 Plot No. 27, situated at Umakant Udhyognagar,  
Rajkot and as fully described in the sale deed registered  
vide Regn. No. 6657 dated 15-12-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 3-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1122 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4-B situated at Kalubha Road, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 15-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shailesh Premshankar Shukla; Power of Attorney Holder of Legal Heirs of Late Prem-Shankar Mayashankar Shukla; Ambawadi, Kailash Bungalow, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Jasmin Flats Coop. Housing Society Ltd., Chairman : Rashmikant Bhalchandra Gandhi; Vora Bazar, Near Jain Temple, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 470 sq. metres bearing Plot No. 4-B, situated at Kulabha Road, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2324 dated 15-12-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1123 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 1489 &amp; 1493-1 paiki Plot No. 11, situated at Shanker Takri, Gordhanpar Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 7-12-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mansukhlal Zinabhai Mehta; Central Bank Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Lakhamshi Iethabhai Shah; Village : Nava-gam, Taluka Lalpur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 5104 sq. ft. bearing revenue Survey No. 1489 & 1493-1 paiki Plot No. 11, situated near Shanker Tekri, Gordhanpara Road, Jamnagar duly registered by registering Officer, Jamnagar vide sale deed No. 2733/7-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1124 to 1144 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Jagnath Apartments situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vijayaben Vallabhadas Mehta; "Matruchhaya" 26, Millpara, Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kiritbhai Bhagwanlal Gandhi; Apartment No. 16, Jagnath Apartment, Gymkhana Road, Old Jagnath Rd. Rajkot.
2. Kumudben Hemchand Mehta; Apartment No. 12, —same as above—
3. Smt. Ranjanben K. Ranpara, Apartment No. 3, —same as above—
4. Shri Vinodchandra T. Sangalia; Apartment No. 20, —same as above—
5. Shri Bisan Sevakram Kevlani; Apartment No. 21, —same as above—
6. Shri Atulchandra D. Shukla; Apartment No. 22, —same as above—
7. Shri Rameshchandra H. Somaiya; Apartment No. 19, —same as above—
8. Shri Hasamukhlal Amratlal Shah; Apartment No. 24, —same as above—
9. Shri Ghanshyamdas Khushaldas Sugandh; Apartment No. 23, —same as above—
10. Shri Amratlal Vasanji Dubal, Apartment No. 13—same as above—
11. Shri Hasamukhlal A. Kothari; Apartment No. 10, —same as above—
12. Shri Thakershaji Jethalal; Apartment No. 8, —same as above—
13. Smt. C. J. Shah; Apartment No. 2 & 5, (shops) —same as above—
14. Smt. Joginder Kaur Bahi; Apartment No. 1, —same as above—
15. Manjulaben V. Pattani; Apartment No. 15, —same as above—
16. Shri Hargovind Ranchhod Pavagadhi; Apartment No. 11, —same as above—
17. Smt. Savitaben Himatlal Kotecha; Apartment No. 14, Jagnath Apartment, Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot.
18. Shri Savjibhai Shantilal Hansaliya; Apartment No. 9, —same as above—
19. Smt. Ranjanben Ranghubhai Patel; Apartment No. 17, —same as above—
20. Shri Vallabhadas Mohanlal Bhalodiya; Apartment No. 4, —same as above—
21. Shri Nanalal Talakshi; Apartment No. 7, —same as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment Nos. 16, 12, 3, 20, 21, 22, 19, 24, 23, 13, 10, 8, 2, 5, 1, 15, 11, 14, 9, 17, 4, & 7 (in all 21 Apartments) of Jagnath Apartment, situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed Nos. 3264, 851, 2018, 455, 456, 457, 451, 458, 600, 1876, 459, 798, 797, 130, 599, 454, 453, 1218, 452, 1217, & 799 of December, 1979, i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 973 Acq. 23-II/80-81. —Whereas, I  
S. N. MANDALbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Athwa Old S. No. 30 Plot No. 27, S. No. 1071  
situated at Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer  
at Surat on 12-12-1979for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

22—256GI/80

- (1) Shri Kantilal Chhaganlal Shah; Haripura, Tartia  
Hanuman Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Mahendra Ganpatishanker Shukla; C/o Manilal  
Patel & Co. Opp. Chhakapir Gali, Limda Chok,  
Surat.  
2. Bhakorbhai Dahyabhai Desai; C/o Bipin Desai,  
Opp. Union Bank of India, Kanpith, Surat.  
Promoters : Mehali Apartments, Coop. Housing  
Society Ltd., Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at village Athwa—Old S. No. 30 paiki, Plot No.  
27, Present No. 1071, duly registered at Surat on 12-12-79.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 11-8-1980

Seal :

Form ITNS—

(1) Shri Chandramani Piyush Dalal,  
B.A. Rande Road, Dadar,  
Bombay-28.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bankim Tarunchandra Dave,  
Ratanshanker Mastorni sheri,  
Ambaji Road, Surat.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 974 Acq. 23-II/80-81.—Whereas 1.  
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Majura R.S. No. 118 paiki—Sub-plot No. 25,  
situated at Majura S. No. 102 T.P.S. No. 9, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Majura R.S. No. 118, Sub-plot No. 25, duly  
registered on 21-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 11-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madha Karnsan Raiyani,  
Bavavala Para,  
Jetpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shirishkumar Jagatray Parekh;  
2. Shri Babubhai Ukabhai,  
Khodpara, Jetpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009  
Ahmedabad-380 009, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1149 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 13, situated at Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 11-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An agricultural land, admeasuring 4 Acre 39 Guntha bearing S. No. 39, situated at Jetpur, and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1586/dt. 11-12-1979.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

Form ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1980

Ref. No. P.R. No. 962 Acq. 23/I/80-81.--Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1646 Wd. No. 11, Sodagarvad, situated at Machhalipith, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 28-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jamshedji Pestanji Petigara,  
11/1646, Sodagarvad, Machhalipith,  
Surat.
2. Shri Dolat Darabsha Patel,  
155, Raj Nivas, Water Field Road,  
Bombay-50.
3. Shri Khorshed Darabsha Patel,  
155, Raj Nivas, Water Field Road,  
Bombay-50.

(Transferor)

- (2) Shri Ramdas Baurao Bavaskar,  
Nanpura, Jamrukh Gali, Surat.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property, at Sodagarvad, Machhali Pith, Wd. No. 11, Nondh No. 1646, duly registered at Surat on 28-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Shri Indhavadan Ambalal Pandya,  
Haripura, Bhavnivad,  
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jitendra Champaklal Shah,  
2. Shri Harishkumar Champaklal Shah,  
Mahidharpura, Chhaparia Sheri,  
Surat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 1st August 1980

Ref. No. P.R. No. 963 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 839, Wd. No. 6 situated at Chhaparia Sheri, Mahidharpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 13-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Mahidharpura, Chhaparia Sheri, Nondh No. 837, Wd. No. 6, Surat duly registered on 13-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1980

Ref. No. P.R. No. 964 Acq. 23/II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2345, Wd. No. 4, Dariavad, situated at Salabatpura, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hasanbhai Mohmadbhai,  
Shri Ahmadbhai Kasambhai,  
Zampa Bazar, Taiyab Mahollo,  
Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abubakar Ahmad Bharania,  
2. Shri Ibrahim Abubakar,  
3. Shri Mohmad Kasam Abubakar,  
4. Shri Noormohmad Abubakar,  
5. Shri Abdulkadar Abubakar,  
Dariavad, Salabatpura,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Dariavad, Salabatpura, Nondh No. 2345 Wd. No. 4, Surat duly registered at Surat on 31-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-8-1980

Seal :

## FORM IINS— — —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1980

Ref. No. P.R. No. 965 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 399 Wd. No. 9, Store Sheri, situated at Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at situated at Wadi Falia, Surat for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Prabhakar Dhirailal Store & his minor daughter Nandita Prabhakar Store;
2. Shri Viratkumar Prabhakar Store;
3. Shri Umaben Prabhakar Store;
4. Jayleena urfe Jayshreeben wd/of Sureshchandra Dhirailal Store;
5. Minor Hemant Sureshchandra Store,
6. Minor Ishvari Sureshchandra Store,
7. Minor Dhanvina Sureshchandra Store, L. H. of No. 5 to 7 Mrs. Nilambari Sureshchandra Store Resi : Elcid—Malbar Hill, Ritz Road, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Champaklal Harkisandas, Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 399 in Store Sheri, Wadi Falia, Surat duly registered at Surat on 27-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-8-1980  
Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1980

Ref. No. P.R. No. 966 Acq. 23/II/80-81.—Whereas J. S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 501, Vibhag C, Tika No. 1/2, situated at Raopura Ward, Anandpura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Elgunabhai Chimanbhai Patel,  
Ambawadi, Hirabaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Shirishbhai Natverlal Shah and  
Dr. (Mrs.) Manjulaben S. Shah,  
through : Their P.A. Holder,  
Dr. Satishbhai Natverlal Shah,  
Vishwas Colony, Jetalpur Road,  
Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land situated in a bye lane at Vibhag C, Tika No. 1/2 C.S. No. 50/1 of Raopura Ward, Anandpura, Baroda and fully described as per sale deed No. 5924 registered in the office of sub-registrar, Baroda on 14-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1980

Ref. No. P.R. No. 967 Acq. 23/II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 291/A-2 and 292/1/2, situated at Baroda Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 21-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—256GI/80

(1) Smt. Premalatha Kesarinath Gupta,  
17-A Sudamapuri, Manjalpur,  
Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narayana Prasad Mathuraprasad Shukla,  
2. Smt. Gyanavati Narayana Prasad Shukla,  
"Javanil", R.V. Desai Road,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of aggregate area of 10 gunthas and a construction thereon of plinth area 2000 sq. ft. which is mentioned to be in a dilapidated state situated at Baroda Kasba bearing S. No. 291/A-2 and 292/1/2 and fully described as per sale-deed No. 6033 registered in the office of sub-registrar, Baroda on 21-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-8-1980

Seal :

## FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1980

Ref. No. P.R. No. 968 Acq. 23/II/80-81. Whereas I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at village Adajan Ward No. 17, situated at Tal. Choryasi, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the evasion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

Seal :

(1) Manelbai Mosel Pestanji Dosabhai's daughter and widow of Arachsha Kavasji Turel, Bilini Jada, Saivedpura, Surat. (Transferor)

(2) Shri Gorang Jagdas, 54, Sangam Society Rander Road, Surat (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Adajan bearing R.S. No. 2 Wd. No. 17 duly registered at Surat on 26-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7/8/1980

Seal :

## FORM TINS

(1) Smt. Gulamabadi Mahmad Shaikh,  
East Chunarvad, Broach.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chhatanand Gulamamurti Gulam Mahmad Shaikh,  
Sai Baba Coop. Housing Society Ltd.,  
East Chunarvad, Broach.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1980

Ref. No. P.R. No. 969 Acq. 23 II/80-81 Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 8, situated at Kambhivas, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5, Village, Kambhivas, R.S. No. 8, fully registered at Broach on 31-12-1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 23/8/1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

ASHRAM RAOD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1980

Ref. No. P.R. No. 970 Acq. 23/11/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1147 Ward No. 1, situated at Dangor Mahollo, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 31-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ruxmaniben Manilal & her Minor son,  
Girishchandra Manilal,  
Minor son : Kanaiyalal Manilal,  
Minor son : Chandulal Manilal,  
Minor son : Rameshchandra Manilal,  
Nanpura, Dangor Mahollo,  
Surat.

(Transferors)

(2) Shri Jagdishchandra Galabchand,  
Magnidevi Madanlal,  
Asidevi Prabhatilal,  
Prabhatidevi Omprakash,  
Mahindharpura, Ghia Sheri,  
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1147, Ward No. 1, Dangor Mahollo, Nanpura, Surat duly registered on 31-12-79 at Surat.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date : 7-8-1980

Seal :



Form ITNS—

(1) Prakashchandra Ravjibhai Patel,  
Mayurkunj Society,  
Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sumistaben Rajnikant Shah,  
Mayurkunj Society,  
Nadiad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

Ref. No. P.R. No. 971 Acq. 23-II-80-81.—Whereas I,  
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 327/1, situated at Chaklassi Patti, Nadiad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Nadiad on December, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property is aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 327/1, situated in Mayur-  
kunj Society at Chaklassi Patti area of Nadiad Town and  
fully described as per sale deed No. 3237 registered in the  
office of Sub-Registrar, Nadiad in the month of December,  
1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date : 8-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1980

Ref. No. P.R. No. 972 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3253 & 3254 situated at Lakhavad Patti area, Near Vaishalee Cinema, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nadiad on 13-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Chandrakant Kalidas Patel,  
Kakarkhad, Nadiad,  
2. Jyotindra Suryakant Patel,  
3. Kiritkumar Suryakant Patel; } Lakhavad Chora,  
4. Pinakin Suryakant Patel, } Nadiad.  
(Transferors)
- (2) Maheshwarinagar Coop. Housing Society;  
Through : Chief Promoter Jagdishchandra Mohanlal Shah,  
C/o Pushkar & Co. Land Organisers,  
Sudar Bhavan, Near Station,  
Nadiad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 3253 and 3254 Lakhavad Patti area T.P. S. No. 1, Nadiad and fully described as per sale deeds 3988 and 3989 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 13-12-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-8-1980  
Seal :

FORM ITNS - - - -

(1) Shri Gulabdas P. Jariwala,  
Begampura, Vadyali Sheri,  
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mukund Venilal Dalal,  
9/1302, Balaji Road,  
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 980 Acq. 23-II/80-81. Whereas I  
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 233, 232/2, 232/1, 231/3, 231/1 & 232/2,  
situated at Sultanabad, Dumas, Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 15-12-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :-(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :-Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/5th share at S. No. 233, 232/2, 231/1,  
231/3, 231/1 and 232/2 at Sultanabad, Dumas, duly regis-  
tered on 15-12-1979.S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 20.8.1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 981 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A, Survey No. 46, situated at Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitaben Ramanlal Patel,  
Ami Apartments No. 2,  
Opp. Gopalbaug, Race Course Circle,  
Baroda, (Transferor)
- (2) Shri Jitendra Manubha Patel,  
'Ramdeep' Near Gopal Baug,  
Race Course Circle,  
Baroda. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. A of Survey No. 64, Jetalpur village, Baroda and as fully described as per sale deed No. 5756 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of December, 1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 20-8-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1980

Ref. No. P.R. No. 982 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 8 of Plot No. 1A of Main Plot No. 1 Rev. No. 167 &amp; 168, situated at Pratapnagar Industrial Area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Bombay at on 14-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—256GI/80

- (1) 1. N. B. Dharia,  
2. S. B. Dharia,  
3. Y. B. Dharia,  
4. S. B. Dharia,  
5. J. B. Dharia, } All residing at 10, Nirmal Niwas, Bomanji Petit Road, Bombay-6.

(Transferor)

- (2) M/s. Shantilal Manilal & Sons,  
660/795, Sunder Chawk, Mulji Jetha Market,  
Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Revenue No. 167 and 168, Sub-plot No. 8 of Plot No. 1A of Main Plot No. 1, situated at Pratapnagar Industrial Area Baroda and as fully described in the sale deed No. 4175/71 registered in the office of Sub-Registrar, Bombay on 14-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II.

Ahmedabad, the 20th August 1980

Ref No. P.R. No. 983 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL; being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 Survey No. 42, Hissa No. I, situated Subhanpura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bhanubhai Lakhabhai Patel;  
20, Vrindavan Colony, Race Course Circle,  
Baroda. (Transferor)
- (2) 1. Chandrakant Manibhai Patel (HUF);  
2. Bharatiben Rameshbhai Patel;  
Both staying at Kanpur, Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. 2 of Survey No. 42, and Hissa No. 1 situated at Subhanpura, Baroda and as fully described as per sale deed No. 6115 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of December, 1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1980

Ref. No. RAC. No. 188/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-330/A situated at Muradnagar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Razia Begum,  
2. Mohd. Azamuddin,  
3. Mohd. Maneeruddin,  
4. Mohd. Muktaruddin,  
5. Mohd. Zulfekharuddin,  
6. Mohd. Zaheeruddin,  
7. Mohd. Khursheeduddin,  
8. Smt. Mahaboob Afser Begum  
9. Smt. Zafar Begum, all residing at Muradnagar, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. Waheeda Rukasana, W/o Mohd. Ibrahim Ghori, H. No. 49, Dattatreya Colony, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 12-2-330/A, Muradnagar-Hyderabad ad-measuring 360 Sq. Yds. registered vide Document No. 7271/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1980

Ref. No. RAC. No. 189/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-330 situated at Muradnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Regt Hyderabad on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Razia Begum w/o late Mohd Imamuddin,  
3. Mohd. Azamuddin,  
3. Mohd. Manazeruddin,  
4. Mohd. Muktaruddin,  
5. Mohd. Zulfekharuddin,  
6. Mohd. Zaheeruddin,  
7. Mohd. Khursheeduddin,  
8. Smt. Mahaboob Afser Begum,  
9. Smt. Zafar Begum, all residing at Muradnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mohd. Dawood Ghori, S/o late Mohd. Makhdoom Ghar, R/o Muradnagar, Hyderabad. (12-2-330 Muradnagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 12-2-330 admeasuring 360 Sq. Yds. situated at Muradnagar Hyderabad, registered vide Doc. No. 7269/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Shri Mohd. Abdul Samad S/o Late Gulam Jeelani  
11-1-204 Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Syed Sultan &amp; others S/o Late Syed Pasha 11-3-547, Malleshpally Hyderabad.

4. Syed Farhat S/o Late Syed Pasha, 11-5-589 Red Hills Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC No. 191/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward 10 Block 3, situated at Near Vijaya Nagar Colony, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land in ward No. 10 Block No. 3 admeasuring 942 square yards equivalent to 820 square metres situated at Malleshpally near Vijayanagar Colony, Hyderabad registered vide Document No. 7035/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mulji Premji s/o Premji Gyan Bagh Colony,  
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Lalji Shivji S/o Shivji H. No. 5-3-824  
Gosha Mahal  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC. No. 192/80-81.—Whereas, I S.  
GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-59 & 91 situated at station road Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 11 admeasuring 260 sq yards premises no 5-8-59 to 5-8-91 situated at Station Road, Nampally, Hyderabad registered vide document No. 7187/79 in the Office of the Joint Sub Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1980

Ref. No. RAC. No. 193/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-275 of plot 2, situated at Anand Nagar, Khairatabad, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Bhagwandas S/o Sri Hemandas Lalwani 3-6-361/26 Himayath Nagar Hyderabad and also resident of 8/1028 Mukhrum Jahi Road Warangal, (Transferor)
- (2) Smt. Suraiya Jabeen W/o Syed Mumtaz Ali H. No. 3-6-428/1 Himayathnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. C-2/3 of Plot 2 situated at Anandnagar, Khairatabad, Hyderabad in Survey Nos 94, 95 and 96 registered vide Document No. 3186/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority  
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 196/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Port of 1-8-653/2 situated at Charminar Cross Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Palukuri Chinna Suryanarayana,  
2. Sri P. Kalidas, both at H. No. 4-3-33,  
Kothagroharam Vizayanagaram, A. P. Vizag-Dist.  
(Transferor)
- (2) M/s Suryamukhi Enterprises, Represented by  
1. Dr. G. Nagabushanam,  
R/o Chikkadpally, Hyderabad..  
(Transferor)
2. V. Gopal Rao, H. No. 1-9-312/2 Vidyanagar,  
Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land admeasuring 424 Sq. Yds bearing M. no. 1-8-563/2 consisting of compound wall, situated at Azamabad Industrial area, Charminar Cross Road Hyderabad, registered vide Document No. 7514/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 7-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 197/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 450 Sq. Yds, situated at Charminar cross Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—256GI/80

- (1) 1. Palukuri Chinna Suryanarayana,  
2. Sri P. Kalidas,  
both residing at H. No. 4-3-33,  
Kothagraharam, Vizianagaram,  
A. P. Vizag. Dist.

(Transferor)

- (2) M/s Suryamukhi Enterprises, Represented by  
1. Dr. G. Nagabushnam,  
R/o Chikkadpally, Hyderabad..  
2. V. Gopal Rao, H. No. 1-9-312/2 Vidyanagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of land measuring 450 Sq. Yds. bearing M. No. 1-8-563/2 consisting of compound wall situated at Azamabad Industrial area, Charminar Cross Road, Hyderabad, registered vide Document No. 7642/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date-7-8-1980

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Sri T. Bharat Singh, 3-6-150 Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The A. P. Commercial Taxes Employees Co-operative  
Housing Society, Ltd., Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 198/80-81.—Whereas I, S.  
GOVINDA RAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Land in S. Nos. situated at 136, 137, 139, to 142 Kotha-  
pet,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on December, 1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons, which-
- 
- ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in survey No. 136, 137, 139 to 142 total area 3  
Acres, situated at Kothapet, Hyderabad, registered vide  
Document No. 7447/79 in the office of the Joint Sub-Regis-  
trar Hyderabad.S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 7-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 199/80-81.—Whereas I, S.  
GOVINDA RAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/-

and bearing

No. Land S. No. 159, 160 situated at Zamisthanpur,  
Hyderabad.(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on December, 1979the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Sri S. Babaiah, H. No. 1-6-519 Zamisthanpur,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Kaladhar Weaker Section Co-operative Hous-  
ing Society, Bakaram,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land in Survey Nos. 159, 160 admeasuring 2700  
Sq. Mts. at Dayaramarket, Zamisthanpur, Hyderabad, re-  
gistered vide Document No. 7076/79 in the office of the  
Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 7-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 200/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 299/1 situated at Malkajigiri village, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ahmadi Begum R/o Yakutpura, Hyderabad 2. Mir Mohammad Hussain R/o Yakutpura, Hyderabad 3. Mir Mohammad Hasan G.P.A. of 3 to 1 Hyderabad 4. Syed Osman Ali R/o Moula Ali Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Indo Nippon Ikya Karmika Gruha Nirmana Sahakara Sangam T.B. No. 108 Represented by Sri Gopal Reddy President, Sri K. S. R. K. Murthy Secretary, Sri V. Sudershan Rao Committee Member.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Survey No. 299/1 part. measuring 14 acres situated at Malkajigiri village registered vide Doc. No. 12475/79 with the Sub Registrar Hyderabad-East.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-8-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No 201/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 298/1 &amp; 303/1, part situated at Malkajgiri, village, Secunderabad situated at Malkajgiri Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri P. V. L. Thimmaraju 2. Sri P. Subba Raju 3. Sri Ch. R. Raju 4. Sri K. R. Raju 5. Smt. M. Janikamma all residing at H. No. 1/191 Lingoji-guda village.

(Transferor)

- (2) M/s. The Modern Co-operative Housing Society Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agl. Land S. No. 298/1 & 303/1 part at Malkajgiri, Secunderabad admeasuring 1 Acr. 25 guntas and Registered vide Document No. 12555/79 with Sub Registrar Hyderabad-East.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 202/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-  
RAJANbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. S. No. 303/1 situated at Malkajgiri Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on December, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri P. V. L. Thimmaraju 2. Sri P. Subba Raju 3.  
Sri Ch. R. Raju, 4. Sri K. R. Raju and 5. Smt. M.  
Jinikamma,  
all residing at H. No. 1/191 Lingoiguda, village.  
(Transferor)

- (2) M/s. The Modern Co-operative Housing Society  
Ltd. Represented by its Secretary Sri P. Ramanaiah  
H. No. 4-1-624 Troop Bazar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at S. No. 303/1 part, admeasuring 1  
Ac. 25 guntas at Malkajgiri village Registered vide Docu-  
ment No. 12658/79 with the Sub-Registrar, Hyderabad East.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 203/80-81.—Whereas, I S. GOVINDA-  
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. S. No. 146 to 149 situated at Lothukunta village,  
Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
at Secunderabad on December 79

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri Suraj Gouli S/o Rajaram,  
R/o House No. 76/A, Trimulgherry,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd.  
(TAB 81) Himayatnagar Hyderabad its President  
Sri Balreddy S/o Papireddy r/o Saidabad State  
Bank of Hyd. Colony Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette. /

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre in survey No. 146, 147, 148 and  
149 at Lothukuntha village, Bolaram Road, Secunderabad  
registered vide Document No. 2787/79 with Sub-Registrar,  
Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 204/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA RAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 25 (22-7-269/25) situated at Salar Jung Market, Dervan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad  
by Partner Sri Syed Abdul Hamid s/o  
Syed Abdullah,  
6-2-977 "Guleston" Khartabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Bin Amer s/o  
Amen Bin Abdullah,  
22-1-371, Sultanpura,  
Hyderabad-24.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 25 (22-7-269/25) at Salar Jung Market, Devan Devdi, Hyderabad. Registered before the Sub-Registrar, Azampura under the document No. 3535/79 during the month of December, 1979.

S. GOVINDA RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 205/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop, situated at Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hbd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—256G1/80

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad,  
by Partner Sri Syed Abdul Hamid, s/o Sayed Abdulla,  
6-2-977 "Guleston" Khiartabad,  
Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Bashceer Ahmed s/o Gulam Mohd,  
16-5-91/3, Farhatnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop at Salar Jung Market at Dewan Devdi, Hyderabad Registered before the Sub-Registrar, Azampura under Registered document No. 3534/79 in the month of December, 1979.

S. GOVINDA RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-8-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th August 1980

Ref. No. RAC. No. 206/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 24, situated at 22-7-269/24, Salar Jung Market, Diwan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on Dec. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shaw Builders,  
22-7-269/3 Devan Devdi, Hyderabad  
by partner Sri Syed Abdul Hamid,  
S/o Sayed Abdulla,  
6-2-977 "Guleston" Khiartabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohsin Bin Amer,  
c/o Sayeed Brothers,  
Madina Building,  
22-1-371, Sultanpura,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 24 (22-7-269/24) situated at Salar Jung Market, Diwan Devdi, Hyderabad. Registered before the Sub-Registrar, Azampura under the registered document No. 3533/79 during the month of December, 1979.

S. GOVINDA RAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th August 1980

Ref. No. RAC. No. 207/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot, situated at Azamabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Palukuri Chinna Suryanarayana,  
Palukuri Kalidas,  
Both s/o Late Sri Palukuri Jagannadham,  
r/o 4-3-33 Kotha Agraharam, Vijayanagaram,  
A.P.

(Transferor)

(2) Smt. C. Aruna Bai,  
w/o Sri Motilal  
H. No. 13-2-362, Rahimpura,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot within compound under M.C. No. 1-8-563/2, Azamabad, near R.T.C. X roads, Hyderabad admeasuring 450 sq. yards and registered vide Document No. 7010/December 1979 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th August 1980

Ref. No. RAC. No. 208/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 302, 303, 309 & 292 situated at Guddi Mallapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Satyavathi,  
Smt. K. Manikyamma,  
Sri G. Harinath Rao G.P.A. for V. Kalpana.,  
G. Harnath Rao,  
H. No. 12-2-716 Beer Bun,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Accountant General Office Co-operative  
Housing Society, Salfabad,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 302, 303, 309 & 293, at Guddi Mallapur measuring 2 Acres 26 guntas Registered vide Document No. 3105/79 with Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 209/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land, situated at S. No. 1-4-1011 Golconda X Roads, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Asma Bai, w/o Late Abdul Hussain.  
2. Tara Bai w/o Mohd. Ali Harianawala.  
3. Fakhruddin s/o late Abdul Hussain,  
4. Hatim Hussain s/o late Abdul Hussain,  
1-4-1011/Golconda X Roads,  
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) M/s. Tirumala Tower Constructors,  
Managing Partner Sri M. S. Chandralah,  
s/o Balakistaiah,  
1-1-593/C, Gandhinagar, Hyderabad-500380  
(AP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land in S. No. 1-4-1011 measuring 704 sq. yards at Golconda X Roads, Hyderabad before the SRO, Hyderabad under document No. 7615/79 during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 210/80-81.—Whereas I, S GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9, situated at S. No. 145 Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Ahobala Sastry,  
1-1-742/A, Gandhinagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Azra Sultana w/o Quamaluddin,  
SBI Officers Colony,  
1-4-879/53, Gandhinagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 9 in S. No. 145 measuring 395 sq. yards at Bakaram, Hyderabad registered vide document No. 7721/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 211/80-81 J. No. (5/3249).—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 116, 117, 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major Rasheed Chenov,  
134, Penderghast Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings Nos. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. Yards were registered vide document No. 7448/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 212/80-81. J. No. 5 (3250).—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing No.

116, 117 &amp; 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Gool D. Umrigar, Rajah Mahal 144, Maharishi Karve Road, Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. Nataraj Construction Company, 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7449/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC No. 213/80-81 J. No. 5(3255).—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

116, 117 & 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. yards were registered vide document No. 7450/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—256GI/80

Date : 11-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC, No. 214/80-81 J. No. 5(3256).—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

116, 117 & 118, situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 and 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 sq. yards were registered vide document No. 7451/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 215/80-81 J. No. 5(3257).—Whereas,  
I, S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- an bearing  
No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on December, 79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350  
to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq.  
yards were registered vide document No. 7452/79 before the  
SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 216/80-81 J. No. 5(3259).—Whereas,  
I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116, 117 &amp; 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sona N. Chenoy, and others,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7579/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 217/80-81 J. No. 5(3281).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide documents No. 7424/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 218/80-81 J. No. 5(3292).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7425/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref No. RAC. No. 219/80-81/J. No. 5(3293).—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Major Rasheed Chenoy,  
Chenoy Mansion, 134-B,  
Penderghast Road,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7427/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC No. 220/80-81/J. No. 5(3294).—Whereas,  
I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sona N. Chenoy,  
143/1, Macintyre Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7426/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Gool D. Umrigar,  
144 Rajan Mahal, 7 Karve Road, Bombay.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nataraj Construction Company,  
116, Park Lane, Secunderabad.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 221/80-81 J. No. 5(3295).—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116, 117 & 118 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—256GT/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three buildings No. 116, 117 & 118 (New Nos. 1-7-350 to 377) Park Lane, Secunderabad with an area of 6939 Sq. yards were registered vide document No. 7428/79 before the SRO, Hyderabad during the month of December, 1979.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM 11NS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

महाराष्ट्र के हायडराबाद, दि. 14 अगस्त 1980  
 Ref. No. RAC. No. 1056-79 Whereas, I, S. GOVINDA-  
 RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 728/23 situated at Vigram Road of Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 6-12-79 under document No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Nori Venkateswarlu,  
Engineer, Television Centre, Madras.  
2. Sri Nori Srinivas, being minor by guardian and father Sri Nori Venkateswarlu, Engineer, Television Centre, Madras.  
(Transferors)
- (2) Smt. Polu Subbamma,  
W/o Polu Musalayyareddi, Mangalavarapupeta, Rajahmundry, (AP).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of Lighthouse bearing door No. 728/23 (Old door No. 4/1987) in 327 1/2 Sq. Yards of site of Vigram Road Rajahmundry within the Rajahmundry Municipality in Ward No. 14. The above property was registered by Registering Authority at Kakinada as document No. 129673/79 or 6-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-8-1980  
Seal:

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 1057.—Whereas T. S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 728/23 in 3274 Sq. Yards, situated at Vigram Road, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 6-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Nori Viswanadham,  
2. Sri Nori Venkatachalapatirao,  
3. Sri Nori Seshadri Sastry,  
Andhra University Waltair A.P.

(Transferee)

- (2) Smt. Polu Subbamma,  
Mangalavarapupeta, Rajahmundry,  
A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tiled house bearing door No. 728/23 in 3274 Sq. Yards of Site of Vigram Road, Rajahmundry of Rajahmundry Municipal 4th Ward. The above property was registered at Registering authority at Kakinada, under document No. 29074/79 registered on 6-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 1058.—Whereas I, GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7.29.1, situated at Devatavari St. Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Nori Venkateswarlu,  
Engineer, Television Centre,  
Madras.  
Sri Nori Srinivas,  
being minor by guardian and father  
Sri Nori Venkateswarlu,  
Engineer, Television Centre,  
Madras.

(Transferors)

(2) Shri Polu China Vengala Reddi,  
P/r. Vikram Chit Fund Co.  
Door No. 9-25-26,  
Gunduvuri Street, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site bearing old door No. 4/203 and new door No. 7.29.1, Devatavari Street, Rajahmundry, Municipal Ward No. 4, locality No. 7, residential zone, registered before the Registering authority at Kakinada as document No. 9098/79 on 7-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. 1059.—Whereas I. S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

7.29.1, situated at Devatavari lane, Rajahmundry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 7-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nori Viswanatham,  
Shri Nori Venkatachalapathirao,  
Shri Nori Seshadri Sastry,  
Professor, Andhra University, Waltair.  
(Transferors)

(2) Sri Polu Bala Venkagala Reddi,  
P/r Vikram Chit Fund Company,  
Door No. 9-25-26, Gunduvari Street,  
Rajahmundry (AP).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site bearing old door No. 4/203 and new door No. 7-29-1, Devatavari Street, Rajahmundry, Municipal Ward No. 4, Locality No. 7, Residential zone registered before the Registering authority at Kakinada as document No. 9097/79 on 7-12-1979.

S. GOVNIDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

(1) Sri Akelha Suryanarayana Rao, M.A B.L.,  
Prop. of Surya Industries, Visakhapatnam,  
residing at Door No. 27 4 48, Maharanipeta,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

(1) M/s. Andhra Prabha Private Limited,  
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.F. No. 1960.—Whereas I, GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39-1-2, situated at Madhavadhara Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Visakhapatnam on 5-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

The property in Visakhapatnam Town, Visakhapatnam, Sub-Registry, in V. No. 1960, in Madhavadhara village, Survey No. 25/1, Patta No. 19 (called Mushidigedda Thota Bhumi, an extent of 2 acres 4084 Sq. Yards equal to 0.81 hectares and 3416.63 Sq. Metres out of an extent of 4.02 acres purchased from V. Krishnamurthy Gupta and Others under sale deed No. 1246 of 1969 dt. 17-6-1969. The documents was registered by the Sub-Registrar, Visakhapatnam as document No. 8926/79 on 5-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref] No. RAC 1061.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30-15-50, situated at Allipuram of Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at

consideration which is less than the fair aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Avasaraiah Venkata Anantha Ramarao,  
s/o late Seshagirirao,  
D. 54, IDPL Colony,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mutyamm Venkata Ramani  
w/o Satyanarayana, Drawarakanagar,  
Visakhapatnam-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Terraced house and 825 Sq. Yards of site bearing Door No. 30.15.50, Allipuram and block No. 29 of Municipal Corporation, Visakhapatnam registered by the registering authority at Visakhapatnam as document No. 9169-79 on 14-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner, of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 1062.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30.11.2, situated at Mahalakshmi St. of Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ghanta Venkata Seshayya,  
s/o Ganta Sanjeevarayulu,  
Daba Gardens,  
Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) 1. Sri Kesav Deva Sarma,  
s/o Laxminarayana,  
Visakhapatnam.  
2. Prabhatlal Sarma s/o  
Eswarlalji,  
Visakhapatnam.  
3. Kameswarlal Sarma,  
Visakhapatnam.  
4. Mohanlal Sarma of Visakhapatnam.  
5. Ramnivas Sarma,  
Visakhapatnam.  
6. Syamsundar Sarma,  
Visakhapatnam. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One storied building bearing door No. 30-11-2, of Visakhapatnam Municipality, Allipuram Ward Block No. 41 T.S. No. 1452 and asst. No. 24112, which was registered by the registering authority at Visakhapatnam under document No. 9100/79 on 12-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. 1063.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3.19.12 to 15,

situated at Stambalagaruvu of Guntur Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 21-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—256GT/80

- (1) 1. Sri Pallipaga Samuel, s/o Naganna, Patapattabhipuram, Guntur.
2. Dr. Pallepaga Naveen Chandrasekhar, represented by General Power of Attorney holder, Smt. Pallepaga Nagamani Samuel, Pattapattabhipuram, Guntur.

(Transferors)

- (2) India Financial Association of Seventh-day Adventists, rep. by President, E.I. Mathew, s/o Isaiah, Old Pattabhipuram, Guntur-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House properties bearing door Nos. 3.19.12, 13.19.13, 3.19.14 and 3.19.15 with Asstt. Nos. 2330 and 3132 and site of 3530 Sq. yards or 2951-53 Sq. Metres of Stambala Garuvu, Nallapadu Sivara or Guntur Taluk in Guntur District, which was registered by the registering authority at Guntur, under document No. 6888/79 on 21-12-1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Ref. No. RAC. No. 222/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-8-66, situated at Mukarmpur, Karimnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kareemnagar on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Kondala Rao,  
s/o Agam Rao,  
r/o Chilvantha Village, Sircilla Taluk,  
Karimnagar Dt.

(Transferor)

(2) Sri P. Muralidhar Rao, s/o  
Narsinga Rao,  
r/o Mydaram Village,  
Peddapalli Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 8-8-66 Mukarmpur, Karimnagar having total area 395 sq. yards registered vide document No. 5632/79 with the Sub-Registrar, Kareemnagar.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Gourinath Samba Moorthy,  
s/o Ramuloo  
r/o Jagatial.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. T. Nirmala Devi  
w/o T. Rama Rao,  
c/o Vani Talkies, Jagatial.  
2. Smt. V. Anasuya Devi,  
w/o V. Sudarsan Reddy,  
c/o Annapurna Talkies,  
Jagatial.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. RAC. No. 223/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-  
RAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot No. 6-3-73, situated at Jagatial

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Jagatial on December, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

## THE SCHEDULE

Plot No. 6-3-73 having total area 963 sq. yards, situated  
at Jagatial registered vide Document No. 3831/79 with Sub-  
Registrar, Jagatial.S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, HyderabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC. No. 224/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Boggarapu Papaiah, s/o Bodaiah  
Trader, Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferor)

(2) Boggarapu Subba Guruvaiah,  
s/o Pedda Guruvaiah,  
Trader Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Mill M/s Nandi Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 Street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal Registered vide Document No. 3917/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 225/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Boggarapu Venugopal Chetty,  
s/o Papalah,  
Trader, Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferor)

(2) Boggarapu Subba Guruvaiiah,  
s/o Pedda Guruvaiiah,  
Trader, Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Mill M/s Nandi Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal registered vide Document No. 3919/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, HyderabadDate : 12-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 226/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13/462 to 465, situated at Vevekananda Street, Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Boggarapu Subramanyam,  
s/o Papaiah,  
Trader, Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferor)

(2) Boggarapu Subba Guruviah,  
s/o Pedda Guruviah,  
Trader, Nandyal Town,  
Kurnool District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Mill M/s Nandi Rice Mill at Nandyal Railway Station D. No. 13/462 to 465 street No. 30 Vevekananda Street, Nandyal registered vide Document No. 3918/79 with Sub-Registrar, Nandyal.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 227/80-81.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-2-1068/1, situated at Ramkot, Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Raia Mouli  
s/o Sri B. Ramachandraiah,  
4-1-912/3 Parsi Lane Tilak Road,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Ratansi Premji Shah  
s/o P. M. Shah  
2. Smt. Mani Ben R. Shah w/o R. P. Shah,  
3. Sri Praful Kumar Ratnansi Shah,  
s/o R. P. Shah,  
all residing at 23-1-78/1 East Charminar,  
Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4-2-1068/1 Ramkot Sultanbazar, Hyderabad registered vide Document No. 7144/Dec 79 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 228/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-1068/2, 3, 4, 5 situated at Ramkot Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Raja Mouli  
s/o Sri B. Ramachandraiah,  
4-1-912/3 Tilak Road,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Ratanshi Premji Shah & 2 others S/o P. M. Shah 23-1-78/1 East Charminar Hyderabad.  
Smt. Mani Ben R. Shah w/o R. P. Shah,  
Sri Praful Kumar Ratansi Shah,  
s/o R. P. Shah,  
Both residing at same address above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgis 4-2-1068/2, 3, 4, 5, situated at Ramkot Sultan Bazar, Hyderabad. Registered vide Document No. 7145/79 with Sub Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Hiranand B. Bhoiwani,  
GPA Uttam Chand,  
Prenderghast Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri J. Laxman Rao, Maredpally,  
Secunderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1)D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1980

Ref. No. RAC No. 229/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 42 in 156 to 159, situated at Penderghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30-256GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 42 in 156 to 159 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2702/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 230/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 69 1/16th Portion of land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Dillu Apartments,  
No. 4-1-887 Tilak Road, Hyderabad  
Managing Partner Mrs. Dilawar Banu, w/o  
K. A. Siddique 8-2-542/4, Road No. 7,  
Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Amtur Raheem,  
w/o Late M. A. Hameed,  
c/o Dillu apartments, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/16th portion of land in S. No 69 at Begumpet registered vide Document No. 7131/79 with sub-registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 231/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bldg. No. 9/43A,

situated at Vikasnagar, Gaddiannaram Village,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri A. Venngopala Rao,  
s/o Satyanarayana Rao,  
Manager, APSFC, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Katta Suvarna,  
w/o Dr. K. Jaipal Reddy,  
Door No. 6-5-77, Bhokatpur,  
Adilabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building No. 9/43A/Vikasnagar, Gaddiannaram Village, Charminar Taluk, Hyderabad Dt. Registered before the SRO, Hyderabad vide document No. 7814/79 during the month December, 1979.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1980

Ref. No. RAC No. 236/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A5/B3 in 1-7-234 to 241, situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Arjuna Rai Mehta,  
s/o Navnithlal Mehta,  
2. Ashwin Mehta  
s/o Navnithlal Mehta,  
Bombay.  
3. Ashok Mehta s/o Navnithlal Mehta,  
Bombay.  
(G.P.A. for 2 & 3 is Sri Arjuna rao Mehta)  
Ranji Patang Building, Sultan Bazar,  
Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Nandkurvahu w/o Sri Narotham,  
A-5/3B, IIIrd floor, Chandralok Building,  
111, S. D. Road,  
Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat A5/B3 in permises No. 1-7-234 to 241, 111 Sarojini Devi Road, Secunderabad registered vide Document No. 2882/70 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1980

Ref. No. 237/80-81.—Whereas I, S.

GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 104, situated at Yellareddyguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. M. V. Prasad Rao (H.U.F.)  
s/o Sri Ramaiah,  
r/o H. No. 8-2-601 Road No. 10,  
Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s The Kausalya Co-operative Housing Society, Ltd.,  
8-3-317/1 Yousufguda,  
Hyderabad.  
Secretary Sri R. Subba Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 104 admeasuring 3 Acres at Yellareddy guda, Hyderabad, registered vide Document No. 2822/79 with Sub-Registrar, Khairatabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri B. Vijayendra Reddy,  
s/o late Pulla Reddy,  
Hasmet pet road,  
Bownepally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society  
Ltd.,  
T.A.B. No. 2, represented by President  
T. Ramachender s/o T. Seshaiiah,  
Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 232/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 10/1, situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 10/1 area 4840 sq. yards situated at Seetharampur village, Bownepally Cantonment Secunderabad registered vide Document No. 2691/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 233/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 10/1, situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri B. Vijavendra Reddy, s/o  
Late Pulla Reddy,  
Hasmet pet Road, Bownepally,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society, Ltd.  
TAB No. 2, represented by  
President T. Ramachender  
s/o T. Seshalah,  
Kavadiguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 10/1 total area 4840 sq. yards, situated at Seetharampur village, Bownepally, cantonment, Secunderabad registered vide Document No. 2722/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 234/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 10/2, situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) J. Sri B. Vijayander Reddy s/o  
Late Pulla Reddy,  
Hasmet Pet Road,  
Bownepally, Secunderabad.
2. Sri B. M. Ram Reddy  
s/o B. V. Narasimha Reddy,  
Maredpally,  
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The Padma Shali Co-operative Housing Society Ltd.,  
T.A.B. No. 2, represented by  
President Shri T. Ramchender  
s/o T. Seshiah,  
Kavadiiguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 10/2, situated at Seetharampur village, Bownepally, cantonment Secunderabad, area 4840 sq. yards registered vide Document No. 2761/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th August 1980

Ref. No. RAC No. 235/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sv. No. 10/2,

situated at Seetharampur Bownepally, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—256GI/80

(1) Sri B. Vijayender Reddy s/o  
Late B. Pulla Reddy,  
Bownepally,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Padma Shali Co-operative Housing Society  
Ltd.,

TAB No. 2, represented by  
President Sri T. Ramchender,  
Kavadiquda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 10/2 area 4840 sq. yards, situated at Seetharampur village, Bownepally, Cantonment, Secunderabad registered vide Document No. 2900/79 with Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th September 1980

No. 291/80-81.—Whereas, I. R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 101, 59, 69 & 68, situated at Melhulvathi village, Jagara Hobli, Chickmagalur Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chickmagalur, Document No. 1564/79-80 on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Krishnaswamy, (2) Sri N. Manjunatha, (3) Smt. K. N. Seethalakshamma, Coffee Planters, Ratnagiri Road, Chickmagalur Town.

(Transferor)

- (2) Shri Ronald Rosario D'Souza, S/o Mr. F. J. D'Souza, Coffee Planter, Resident of Anjelore Estate, Byarawalli and Bagmane Villages, in Avathi Hobli, Chickmagalur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

[Registered Document No. 1564/79-80 dated 26-12-79]

Coffee Estate Commonly known as "Vijaya & Chandragiri Estates" bearing Survey Nos. 101, 59, 69 and 68 in all measuring 59 acres and 16 gunthas situated at Melhulvathi Village, Jagara Hobli, Chickmagalur Taluk.

R. THOTHATHRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-9-1980  
Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 27th September 1980

No. F. 11/1/80-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOB-BAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUT-TACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORTBLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 15th March, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Re-forms), in the Gazette of India, dated the 27th September, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure-I para 11).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below :

- |   |     |
|---|-----|
| (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-cadre);<br>[Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates].   | 4   |
| (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select list of the Grade);  | 4** |
| (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select list of the Grade);   | *   |
| (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C;  | 6** |
| (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. | *   |

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will

be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para 4 of Appendix 1 to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the result of the written examination.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 24th November, 1980 (8th December, 1980 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State, from a date prior to 24th November, 1980) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim in Ladakh Division of J&K State, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 24th November, 1980.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union

Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 24th November, 1980, and

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or in-efficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 24th November, 1980, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

9. A refund of Rs. 3.00 (Re. 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers Examination held in 1980 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 Examination, his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 15th February, 1981.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at

Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA,  
Deputy Secretary,  
Union Public Service Commission

## ANNEXURE I

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangement for holding such tests are available.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS *VIDE* PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.



- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form & the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable [See para 5(b) below].
- (vii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1981. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate,

or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University.

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate. No other evidence of age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, etc. will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must, submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, [cf : Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above].

This is to certify that

(1) Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of Shri \_\_\_\_\_ has passed \_\_\_\_\_ class of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic\*.

(2) His/Her\* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is \_\_\_\_\_. This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her\* admission to the school\*.

\_\_\_\_\_  
(Signature of Headmaster/Principal\*)

\_\_\_\_\_  
(Name of the School)

Date \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5cm.×7cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the

State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belong to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari ..... and/or\* ..... his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of ..... District/Division\* of the State/Union Territory\* of.....

Signature \_\_\_\_\_

†Designation \_\_\_\_\_

(with seal of office)

State/Union Territory\*

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/\*\*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

\*\* (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form:—

“(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari\* ———— is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of ———— which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory\* of ———— and has rendered/would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer/Clerk/Stenotypist/R.M.S. Sorter\* on 1st January, 1980 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she\* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS/RBSSS/IFSB Stenographers' Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.\*

“(ii) Certified that Shri/Shrimati/Kumari\* ———— is a regularly appointed Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter\* employed in the Office of the ———— which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory\* of ———— and has rendered/would render not less than 3 years' continuous service as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter/Stenographers\* on 1st January, 1981 and continues/would continue to be employed as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter\*.

Date ————

No. ————

Place ————

Signature ————  
Designation ————  
Ministry/Office ————  
Office Stamp ————

\*Strike out whichever is not applicable.

(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(C)(ii) or 6(C)(iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C)(iv) or 6(C)(v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C)(vii) or 6(C)(viii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C)(ix) or 6(C)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. ———— Shri ———— of Unit ———— was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(C)(xi) or 6(C)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Directorate-General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. ———— Shri ———— of Unit ———— was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C)(xii.) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

(viii) An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive, from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi 110001 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various ~~in~~ towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

## ANNEXURE II

### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

[For General English and General Knowledge only]

#### OBJECTIVE TEST

The question papers on General English and General Knowledge will be of objective type—multiple choice answers. In this kind of test you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the test so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of test.

#### NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3—etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### METHOD OF ANSWERING

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e, are printed. After you have read each

item in the Test Booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with the pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

It is important that—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### SOME IMPORTANT RULES

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERLY PENALIZED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination/test your Roll No., centre, subject and date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an H.B. pencil, a pencil sharpener, an eraser and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which noting should be written. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work

on demand. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test.

#### SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal scores. Answer all the items. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to open the test booklet until you are asked by the Supervisor to open it.

#### CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop.

Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet, the answer sheet and sheets for rough work out of the examination hall.

#### I. GENERAL ENGLISH

##### GRAMMAR

##### (a) Detecting Errors :—

##### Directions :

In this section you must spot errors in sentences. Read each sentence to find out whether there is an error in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. Letters a, b, c, d and e have been placed beneath the underlined parts for their identification. When you find an error in any one of the underlined parts (a, b, c, or d) indicate your response on the separate answer sheet in the relevant column. You may feel that there is no error in the sentence. In that case, letter e will signify a 'No error' response. Examples 1 & 2 have been solved for you.

1. He spoke bluntly and angrily to we spectators. No  
a b c d  
error
2. A stadlum and a swimming pool are going to be  
a b c  
built on the new campus. No error  
d e

Explanation—In question No. 1, the word "we" is wrong. The letter under this part is "C". So "c" is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, "e" is the correct response.

(b) *Correcting error :*

#### Directions

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the underlined part then indicate the letter of your response on the Answer Sheet. If none of the substitutions improve the sentence, then mark the rectangle with letter "e" on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

3. A candle flame glares at the slightest breath of air.

- (a) Sparkles
- (b) Flickers
- (c) Shines
- (d) Glistens
- (e) No change

4. The fruits which he took from the bazar *has made him* very sick.

- (a) Could made him
- (b) Caused him
- (c) Could have made him
- (d) Shall cause him
- (e) No change

#### COMPREHENSION

##### Directions

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is *stated* or *implied* in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on to the next passage. While answering the questions you can look back at the passage as often as you like. Example 5 and 6 are solved for you.

##### Passage

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with the outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercilious young fellow who has been playing dice with Harry the barman turns out to be the Customs Officer.

(Adopted from "THE NEW STATESMAN")

(5) Who is the weedy little man?

- (a) Soldier
- (b) Consumptive
- (c) African
- (d) Passenger

6. The Customs Officer is :

- (a) Harry the barman
- (b) Supercilious young fellow
- (c) Weedy little man
- (d) A man in shabby shorts.

#### CLAZE TEST

##### Passage

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) *granted now-a-days* that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio.

##### Questions

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

- (7) (a) his
- (b) our
- (c) my
- (8) (a) for
- (b) at
- (c) by
- (9) (a) only
- (b) at
- (c) twice
- (10) (a) to
- (b) or
- (c) for

#### ANSWER KEY

##### QUESTION

##### ANSWER

- 7. (a)
- 8. (b)
- 9. (c)
- 10. (b)

#### VOCABULARY

(a) Similar words

Directions :—Each question consists of a word or phrase, followed by four words or phrases. Choose the correct word or phrase from the alternatives given, which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example.

11. boycott

- (a) to accuse of wrongdoing
- (b) withdraw from
- (c) refuse to deal with
- (d) keep silence

12. Integrity

- (a) good judgment
- (b) benevolence
- (c) honesty
- (d) fearlessness

(b) Opposite words

Directions—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

13. Day

- (a) Year
- (b) month
- (c) hour
- (d) night

Explanation—The opposite of the day is *night*, so letter (d) is the correct response.

## 2. GENERAL KNOWLEDGE

1. The sub-centred theory of the Universe was developed by

- (a) Galileo
- (b) Ptolemy
- (c) Newton
- (d) Copernicus

2. Which one of the following is not an organ of UNO?

- (a) Security Council
- (b) Trusteeship Council
- (c) International Monetary Fund
- (d) International Court of Justice.

3. Which one of the following causes is NOT responsible for the downfall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

4. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.



